INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-3 | मथुरा, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गुलाल वर्षा से आसमां हुआ सतरंगा, नृत्य भावमय लठामार होली की मची धूम

बंसी की धुन संग बरसो रंग जन्मभूमि में

श्री कृष्ण जन्मभूमि पर होली की मस्ती करते श्रद्धालु।

पुष्प और गुलाल वर्षा के मध्य थिरके हुरियारे–हुरियारिनें एवं भक्तजन

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि की विश्वप्रसिद्ध लठामार होली बहुत ही धूमधाम, भव्यता के साथ में अभूतपूर्व आयोजन शुक्रवार को हुआ। केशव वाटिका के पवित्र लीलामंच पर फाग महोत्सव में गाये जाने वाले लोकगीत, भजन, रसिया, छन्द आदि के दिव्य आयोजन से लाखों की संख्या में आए श्रद्धालुजन आनन्दित एवं उत्साहित होकर नृत्य कर उठे। ब्रज चौरासी कोस में होली पर जिन परंपराओं का पालन किया जाता है उन सभी का दर्शन भगवान श्रीकृष्ण की पवित्र जन्मभूमि पर करना स्वयं में ही एक अलौकिक अनुभूति है। प्रिया प्रियतम की प्रिय होली लीला में पुष्प होली रंगारंग लठामार होली का आकर्षण रही। कई मन पुष्प पंखुड़ियों को प्रिया–प्रियतम के स्वरूप गोपी–ग्वाल संग होली खेलते बरबस ही भगवान श्रीराधाकृष्ण के इस भाव को आनन्दित कर रहे थे। पुष्प होली के मध्य टेसू पुष्प के रंग की वर्षा एवं गुलाल से आसमान सतरंगा हो उठा एवं संपूर्ण जन्मभूमि का प्रांगण अलौकिक रूप में प्रकट हो रहा था।

लठामार होली कार्यक्रम का समापन जन्मस्थान प्रांगण में फूलों की होली के मध्य रसिया गायन एवं लठ और ढाल के साथ परस्पर होली खेलते रावल गांव एवं विभिन्न स्थानों से लठामार होली में सहभागिता के लिए पधारे भक्तजन के, हुरियारे–हुरियारिनों के अदभुत भावमय लठामार होली साक्षात प्रतिया–प्रियतम की होली लीला को सजीव और साकार कर रहे थे। हुरियारे–हुरियारिनों को देखकर प्रिया–प्रियतम की प्रिय होली लीला सजीव एवं साकार हो उठी। इस अवसर विशिष्ट रूप से सुगन्धित द्रव्य, पुष्पार्क एवं वनस्पति रंग का छिड़काव, वातावरण को अनूठा बना रहा था। श्रीमती शालिनी शर्मा, श्रीमती पूनम, जगदीश ब्रजवासी, उदय ब्रजवासी एवं राजू उपाध्याय के होली गायन के मध्य राजेश प्रसाद शर्मा गोवर्धन की मण्डली द्वारा प्रस्तुत होली भी भक्तों को अलौकिक आनन्द प्रदान कर रही थी। इस वर्ष की होली में काशी विश्वनाथ धाम से प्राप्त प्रसादी–गुलाल को श्रीठाकुरजी को अर्पित कर गुलाल–लीला में शामिल किया। श्रुति एवं मान्यताओं के अनुरूप जिस प्रकार द्वापर में भगवान शिव ने ठाकुरजी की प्रिय होली लीला के दर्शन किये और रंग में सरबोर भगवान शिव को देवताओं ने रंगेश्वर नाम से नमन किया ऐसे भगवान रंगेश्वर की प्रत्यक्ष अनुभूति श्रीकृष्ण की रंगारंग लठामार होली में हो रही थी। कार्यक्रम के आरम्भ में विशेष रूप से आए ब्रजविभूति संत कार्णि गुरुशरणानन्द महाराज ने मंच पर विराजमान युगल सरकार श्रीराधाकृष्ण के स्वरूप की आरती की। कार्ष्णि गुरूशरणानन्द महाराज का स्वागत संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने किया। इस मौके पर समिति के पदाधिकारी किशोर भरतिया, नन्दकिशोर अग्रवाल, अनिलभाई ड्रेसवाले आदि का सहयोग रहा।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर फूलों की होली में सरोबार होते श्रीकृष्ण–राधा के स्वरूप।

श्रीकृष्ण के जन्मस्थान के लीला मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते कलाकार।

श्रीकृष्ण जन्म भूमि में लठामार होली खेलती हुरियारिनें।

लठामार होली में जन्मस्थान परिसर में अबीर–गुलाल में सराबोर हुए श्रद्धालु।

जन्मस्थान की होली में थिरकती युवती।

जन्मस्थान पर होली की मस्ती में नाचती युवती।

होली की मस्ती का आनंद लेते युवा।

श्री कृष्ण जन्म स्थान के सामने एक दूसरे को गुलाल लगाते श्रद्धालु

होली का आनंद लेती युवती।

परिक्रमा मार्ग में मोक्ष धाम के निकट से गुजरते परिक्रमार्थी।

रंगभरनी एकादशी पर वृंदावन परिक्रमा मार्ग में बिखरी सतरंगी छटा

नंगे पांव उमड़ा आस्था का सैलाब

परिक्रमा मार्ग में होली खेलते युवा भक्तों की टोली।

केशीघाट के निकट परिक्रमा मार्ग में परिक्रमार्थियों को पेठा वितरित करते महामंडलेश्वर डॉ. सत्यानंद अधिकारी गुरुजी महाराज।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। रंगभरनी एकादशी को परिक्रमा मार्ग में उड़ रहे अबीर गुलाल के बीच लाखों श्रद्धालुओं ने आज वृंदावन की परिक्रमा लगाई। आधी रात से प्रारंभ हुई परिक्रमा शुक्रवार की देर सायं तक चलती रही। हुड़दंगियों से निपटने के लिए पुलिस की पैनी नजर थी। तिराहे और चौराहों पर पुलिसकर्मी तैनात थे। बच्चे क्या बड़े हर कोई भक्ति और आस्था में डूबकर परिक्रमा देने के लिए घर से निकल पड़ा। भीड़ को देखते हुए चप्पल और जूता उतारकर परिक्रमा शुरू कर दी और उसी स्थान पर आकर समाप्त की।

हालात यह थे कि परिक्रमा मार्ग में कदम बड़ी ही सावधानी के साथ आगे बढ़ाए जा रहे थे। श्रद्धालु राधारानी की भक्ति के इतने दीवाने थे कि वह आगे बढ़ने के दौरान राधे–राधे बोल रहे थे। परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालुओं की आवभगत के लिए स्वयं सेवियों ने विभिन्न स्टॉल लगाए। केशीघाट के पास परिक्रमा मार्ग में महामंडलेश्वर डॉ. सत्यानंद अधिकारी गुरुजी महाराज ने श्रद्धालुओं को कई कुंतल पेठा वितरित किया। परिक्रमा मार्ग में चार पहिया वाहन रोकने के लिए पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दी। पुलिस ने छोटे बड़े चार और छह पहिया वाहनों के साथ ऑटो के साथ ई रिक्शा को वृंदावन में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। इस कारण परिक्रमार्थियों को कई किलो मीटर पैदलकर परिक्रमा मार्ग तक पहुंचना पड़ रहा था। राया प्रतिनिधि के अनुसार वृंदावन की परिक्रमा देने आई श्रद्धालुओं की भीड़ राया में उमड़ पड़ी। राया से वृन्दावन जाने के लिए डग्गेमार वाहन चालकों ने श्रद्धालुओं से मनमाना किराया वसूल किया।

शुक्रवार को प्रातः सात बजे राया पहुंची कासगंज अछनेरा पैसेंजर गाड़ी से रेलवे स्टेशन उतरे श्रद्धालुओं की भीड़ कस्बा में उमड़ पड़ी। राया से वृन्दावन जाने के लिए ऑटो चालकों ने 10–12 सवारियों को ऑटो में भरकर श्रद्धालुओं से 40–50 रुपये किराया वसूल किया। इस दौरान परिक्रमार्थी जान जोखिम में डालकर वृन्दावन पहुंचे। भीड़ को लेकर रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य मार्ग हाथरस मथुरा मार्ग पर यातायात व्यवस्था लड़खड़ा गयी। सड़क पर ऑटो और परिक्रमार्थियों की भीड़भाड़ से सड़क पर लंबा जाम लग गया।

राया में ऑटो वालों ने मनमाना किराया मांगा

परिक्रमा में जाम और अव्यवस्था ने बढ़ाई मुश्किलें

राधे–राधे के जयघोष से गूंजा परिक्रमा मार्ग

वृंदावन परिक्रमा मार्ग में दिखाई दे रही श्रद्धालुओं की अपार भीड़।

तापमान / मौसम

31 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

15 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,62,000

22 कैरेट 1,49,040

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,75,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

केजरीवाल की रिहाई पर हर्ष जताया

यूनिक समय, मथुरा। आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को तथाकथित शराब घोटाले के आरोपों से बाइज्जत बरी किए जाने पर प्रसन्नता जाहिर की। कहा कि यह सत्य की विजय है। सीबीआई कोर्ट में, झूठा मुकदमा लेकर आम आदमी पार्टी को बदनाम करने के लिए गई थी। आज सीबीआई के पास मुंह छिपाने के लिए जगह नहीं है। यही नहीं तथाकथित शराब घोटाले में भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के ईमानदार नेताओं को अपने घृणित राजनीतिक स्वार्थ के लिए खूब बदनाम किया। आज सत्य की विजय ने साबित कर दिया है कि भारतीय जनता पार्टी सीबीआई का उपयोग केवल और केवल अपने निजी राजनीतिक हितों के लिए करती है तथा विपक्षियों को बर्बाद करने के लिए भाजपा सदैव तैयार रहती है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि कोई ऐसा सबूत नहीं है, जिसके आधार पर दोष तय किया जा सके। कोर्ट के इस फैसले ने यह तय कर दिया है कि आम आदमी पार्टी इस देश के अंदर ईमानदार नेताओं की पार्टी है।

प्रिया–प्रियतम की होली की सवारी निकाली

ठाकुर राधाबल्लभ मंदिर से निकले रंगीली होली के डोला में विराजमान प्रिया–प्रियतम।

डोला के आगे थिरकते चल रहे श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रजधाम के मंदिरों में रंगीली होली का जोरदार आगाज हुआ। दोपहर में श्रीराधावल्लभलाल की होली सवारी निकाली। सवारी में आचार्य योगेंद्र बल्लभ गोस्वामी, आचार्य यतीन्द्र बल्लभ गोस्वामी, श्रीमहन्त लाड?लीशरण महाराज, बाबा रसिकमाधव दास, विष्णुमोहन नागार्च, विष्णु अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, बालकिशन सोनी, प्रवीण अग्रवाल आदि भक्त शामिल थे।

श्रद्धालुओं के लिए फलाहार की व्यवस्था

वृंदावन में श्रद्धालुओं को फलाहार वितरित करते नगर आयुक्त जगप्रवेश एवं उपसभापति मुकेश सारस्वत आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। रंगभरनी एकादशी पर नगर निगम मथुरा-वृंदावन ने वृंदावन क्षेत्र में सौ फुटा मार्ग के समीप श्रद्धालुओं एवं परिक्रमार्थियों के लिए फलाहार वितरण की व्यवस्था की। नगर आयुक्त जग प्रवेश तथा उपसभापति मुकेश सारस्वत सहित पार्षद एवं नगर निगम के अधिकारियों ने श्रद्धालुओं को केला, सेब, बेर, पेठा एवं संतरा आदि फलाहार वितरित किए। नगर निगम द्वारा पर्व के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुविधा, सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं एवं सुचारु संचालन को प्राथमिकता देते हुए यह व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

डिलीवरी के दौरान महिला की मौत

यूनिक समय, मथुरा। एक महिला की डिलीवरी की दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुरालीजन शव को अस्पताल से सीधे महिला को श्मशान ले जाने लगे। महिला के परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर शव ले जाने वालों को रुकवाया। बताया गया कि सिहोरा थाना यमुनापार निवासी गुड्डू ने अपनी बेटी देवकी की शादी अप्रैल 2025 में पानीगांव निवासी युवक अवधेश से की थी। अवधेश उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के रूप मे गाजियाबाद में तैनात बताया गया है।

ससुरालीजनों पर लगाया लापरवाही बरतने का आरोप

हॉस्पिटल से शव को ले जाते ससुरालीजनों को पुलिस ने रोका

देवकी की शादी में पिता ने करीब 25 लाख रुपये खर्च किए थे। चार पहिये की गाड़ी भी दी थी। परिवार के लोगों ने मोर्चरी पर बताया कि देवकी की ससुराल वालों ने उसकी डिलीवरी के दौरान घोर लापरवाही की, जिससे उसकी मौत हो जाए। तीन दिन पहले प्रसव पीड़ा होने पर उसे एक नर्स के पास ले जाया गया। जहां से उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसे यमुनापार के एक हॉस्पीटल में ले जाकर भर्ती कराया गया जहां सुविधा न होने पर कई मरीजों की जान जा चुकी है। वहां पर भी देवकी का ऑपरेशन नहीं किया गया। जब उसकी हालत ज्यादा खराब होने लगी तब जाकर उसका ऑपरेशन किया गया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। परिवार के लोगों ने आरोप लगाया कि ससुराल के लोग देवकी की मौत के बाद शव को वहां से सीधे अंतिम संस्कार के लिए ले जाने लगे। इस पर 112 को फोन किया गया। 112 ने उन्हें रोका और शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी ने इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला दर्ज करने का आश्वासन दिया है।

कार की टक्कर से वृद्ध की मौत

यूनिक समय मांट/सुरीर। थाना मांट के मांट मूला क्षेत्र में घर के बाहर बैठे एक वृद्ध को अनियंत्रित कार ने अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौते हो गई। थाना इगलास अलीगढ़ निवासी किशोर(75) की बेटी की शादी मांट मूला में हुई थी। किशोर अपनी बेटी के घर पर ही रह रहा था। बताया गया कि वह घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी बीच तेज गति से आती एक अनियंत्रिक कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। कार की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना करने वाली कार को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

"बोलती तस्वीर"

सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी है सबकी

एक युवक सड़क पार करते समय मुड़े हुए सुरक्षा संकेत को देखकर रुका। उसने समझा कि इसे अकेले ठीक करना मुश्किल होगा, इसलिए उसने पास मौजूद एक और युवक की मदद ली। दोनों ने मिलकर संकेत को सही स्थिति में लगा दिया। यह छोटी घटना बड़े संदेश देती है– सड़क सुरक्षा केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक की जागरूकता और जिम्मेदारी से बड़े हादसे और अव्यवस्था टाली जा सकती है। फोटो क्लिक: यूनिक समय

CIMS
सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस
(Multi Super Speciality Hospital With 200+ Beds Facility)

कैथलैब, सीटी स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, ई.को., टी.एम.टी., ई.ई.जी., एन.सी.वी एडवांस्ड सर्जीकल माइक्रोस्कोप, पैथ-लैबोरेट्री तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध।
देश के जाने-माने अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा
अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ विश्वस्तरीय इलाज
अब एक ही छत के नीचे सिम्स मथुरा में 24 घण्टे उपलब्ध है।
टीपीए एवं बीमा कम्पनियों द्वारा कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है।
अपॉइंटमेंट बुक करें : 9258113570, 9258113571
सिम्स हॉस्पिटल, निकट श्रीराधा वैली, एन.एच.19, मथुरा

होली से पहले ठेकों पर उमड़ रही है भीड़

यूनिक समय, मथुरा। रंगों के पर्व होली से पहले जिले में शराब और भांग की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ बढ़ती नजर आ रही है। प्रशासन द्वारा 4 मार्च को होली के दिन शाम 5 बजे तक देशी, अंग्रेजी शराब तथा भांग की सभी दुकानों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। ठेकों के बंद होने के चलते लोगों ने पहले से ही खरीदारी शुरू कर दी है, जिससे शहर और देहात क्षेत्र के कई ठेकों पर सामान्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़ देखी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार होली को देखते हुए इस माह बिक्री में वृद्धि हो रही है। जिससे कि नशेड़ियों की मांग बढ़ने की संभावना को लेकर दुकानदारों ने ज्यादा स्टॉक मंगाया है, ताकि आपूर्ति बाधित न हो। हर वर्ष की तरह इस बार भी होली मिलन समारोह, निजी पार्टियों और मित्र मंडलियों के आयोजनों के कारण शराब और भांग की खपत में तेजी आई है। पिछले वर्षों के

चार मार्च की शाम 5 बजे तक बंद रहेंगी शराब व भांग की दुकानें

त्योहार पर बढ़ी बिक्री, सरकार के राजस्व में होगा इजाफा

आंकड़े बताते हैं कि होली सप्ताह के दौरान बिक्री अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक रहती है, जिससे सरकार के राजस्व में भी इजाफा होता है। अवैध बिक्री, ओवररेटिंग तथा निर्धारित समय के बाद दुकानें खुली पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। होली त्योहार के उत्साह में कई लोग नशे में झूमते हुए "आज ब्लू है पानी–पानी" और "मैं नशे में टल्ली हो गया" जैसे फिल्मी गीतों पर थिरकते दिखाई देते हैं।

विशाल पाराशर बने राष्ट्रीय हनुमान दल के जिला उपाध्यक्ष

यूनिक समय, राया (मथुरा)। राष्ट्रीय हनुमान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र रावत ने राया निवासी विशाल पाराशर को हनुमान दल का वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। ब्रज क्षेत्रीय अध्यक्ष मुकेश सारस्वत, जिलाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी, कालीचरन अग्रवाल, पुनीत चौबे तथा मनोज नागर आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

राधा कुंड में अवैध निर्माण पर सख्ती, महंत को नोटिस

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। राधा कुंड में बिना अनुमति निर्माण का मामला सामने आने के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है। घाट वाला मंदिर स्थित रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी परिसर में कथित रूप से बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण कार्य किए जाने पर गोवर्धन नगर पंचायत ने संबंधित महंत को नोटिस जारी किया है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी के अनुसार, उक्त निर्माण के लिए न तो नगर पंचायत से और न ही मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण से कोई अनुमति ली गई है। सूचना मिलते ही कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य रुकवाने की कार्रवाई की। महंत केशव दास (शिष्य अनंत दास) को नोटिस थमाने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने नोटिस लेने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि महंत केशव दास पूर्व में "भक्ति निवास आश्रम" निर्माण को लेकर भी विवादों में रहे हैं। खसरा संख्या 20, 30 और 41 की भूमि पर बने आश्रम पर उच्चतम न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश दिए जाने के बावजूद निर्माण जारी रखने के आरोप लगे थे। वर्ष 2015 में एमवीडीए ने संबंधित भवन को सील भी किया था, जबकि 2017 में अवैध निर्माण हटाने संबंधी शपथ पत्र दिए जाने की बात सामने आई थी। अब एमवीडीए की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन. के नेतृत्व में जिलेभर में चल रहे अभियान के तहत राधा कुंड के इस मामले में सख्त कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के कोई भी निर्माण पूर्णतः अवैध माना जाएगा और नियमों के तहत कठोर कदम उठाए जाएंगे। स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन से पारदर्शी और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

चोरों ने एक मकान को बनाया निशाना

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव सबला में बीती रात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाया। चोरों ने निचली मंजिल के कमरों का ताला तोड़ कर करीब दस लाख रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ली। प्रातः घर में हुई चोरी की वारदात का पता लगने पर गांव में सनसनी फैल गई।

गांव सबला निवासी रामेश्वर सिंह का गांव में दो मंजिला मकान है। वह बीती रात ऊपर की मंजिल में सो रहे थे। आज तड़के उन्होंने देखा कि नीचे की मकान का दरवाजा खुला हुआ है। दरवाजा खुला देख कर उन्हें किसी अनहोनी की आशंका हुई। कमरे के अंदर प्रवेश करने पर उनके पैरों तले की जमीन खिसक गई। कमरे में रखा सामान इधर–उधर बिखरा पड़ा था। अलमारी का

चोर घर से दस लाख रुपये के जेवरात व नकदी ले गए

लॉकर भी टूटा हुआ था। चोरी की वारदात का पता लगने पर आस–पास के ग्रामीण भी वहां एकत्रित हो गए।

पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। रामेश्वर सिंह ने बताया कि चोर अलमारी में रखे डेढ़ लाख रुपये की नकदी और करीब दस लाख से अधिक के जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस गांव में लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगला रही है जिससे कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोरों का सुराग लग सके।

भारतीय गुणवत्ता परिषद् QUALITY COUNCIL OF INDIA Creating an Ecosystem for Quality QCI
के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेण्टर, मथुरा
NABH PRE ACCREDITED
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए निःशुल्क इलाज
हृदय रोग विभाग

भारतीय रेलवे से सम्बद्ध
ECHS की सुविधा
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से इलाज की सुविधा
हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस इलाज की सुविधा

अगर आप महसूस कर रहे है ये लक्षण तो बिना देरी किए चिकित्सीय परामर्श एवं इलाज लें
जैसे:- बेचैनी, घबराहट, सीने में जकड़न, भारीपन व दवाब महसूस होना, सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, गले में घुटन सी होना, आंखों के सामने अंधेरा होना, बांऐ हाथ या कंधे में दर्द होना, गर्दन या पीठ के बीच में दर्द होना

ओ.पी.डी. समय
प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

- Heart Failure Management
- Pediatric Cardiac Intervention Coarctoplasty (छाती में बिना चीरा लगाए दिल के छेद को बन्द करना)
- Balloon Mitral Valvuloplasty (BMV)
- 2D ECHO (Adult, Pediatric, Fetal, DSE, Strain, Tee)
- Cardial Catheterization
- Cardiac ICU with all modern facilities

24 घण्टे इमरजेंसी सेवाएं
अकबरपुर, छाता, मथुरा 7055400400, 7088105741

रंग भरनी एकादशी पर ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु।

रंग और भक्ति में डूबा द्वारकाधीश

ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में अबीर गुलाल में रंगी महिला श्रद्धालु हाथ उठाकर जयकारे लगाती।

ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में थिरकती श्रद्धालु।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रंगभरनी एकादशी पर शुक्रवार सुबह द्वारकाधीश मंदिर में फाग महोत्सव का आयोजन किया। मंदिर के पट खुलते ही ठाकुर द्वारकाधीश का विशेष श्रृंगार किया गया और वैष्णव परंपरा के अनुसार विधि–विधान से पूजा–अर्चना हुई। मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के साथ ही होली उत्सव का

रंगभरनी एकादशी पर फाग महोत्सव का उल्लास

औपचारिक शुभारंभ हुआ, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिभाव से सराबोर हो उठा। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। देश–विदेश से आए हजारों भक्तों ने अपने आराध्य के दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस किया। जैसे ही रसिया गायन और ब्रज के पारंपरिक फाग गीतों की स्वर लहरियां गूंजने लगीं, वातावरण पूरी तरह रंगमय हो गया। सेवायतों ने श्रद्धालुओं पर अबीर–गुलाल उड़ाकर होली के उत्सव को जीवंत कर दिया। "होरी खेलें रघुवीरा" और "जय द्वारकाधीश" के जयघोष से मंदिर प्रांगण देर तक गूंजता रहा। उत्सव के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर प्रशासन और पुलिस बल की मौजूदगी से दर्शन व्यवस्था सुचारु रही और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। देर शाम तक मंदिर परिसर में रंग, उल्लास और आस्था की अनुपम छटा बिखरी रही, मानो पूरा ब्रजधाम भक्तिरस और प्रेम के रंग में रंग गया हो।

विकास प्राधिकरण कार्यालय में कल लगेगा 'मानचित्र समाधान दिवस'

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की ओर से 28 फरवरी को सुबह 10:30 बजे विप्रा कार्यालय सभागार में 'मानचित्र समाधान दिवस' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन करेंगी। प्राधिकरण द्वारा यह आयोजन ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम (ओबीपीएएस) के माध्यम से मानचित्र स्वीकृति में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान और आमजन को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

लक्ष्मी एन

इस अवसर पर ओबीपीएएस पोर्टल पर लंबित या तकनीकी कारणों से अटके मानचित्रों से संबंधित समस्याओं पर मौके पर ही विचार कर समाधान किया जाएगा। प्राधिकरण सचिव आशीष कुमार सिंह ने सभी संबंधित नागरिकों, वास्तुविदों, अभियंताओं तथा मानचित्र प्रस्तुतकर्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि व समय पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने मानचित्र स्वीकृति से जुड़े मामलों का निस्तारण कराएं।

ठाकुर श्री केशव देव महाराज ने भक्तों संग खेली गुलाल की होली

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन ठाकुर श्री केशव देव मंदिर से होली के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। ठाकुर श्री केशव देव महाराज डोले में विराजमान होकर भक्तों के साथ गुलाल होली खेलते हुए नगर भ्रमण पर निकले। यात्रा विश्राम घाट स्थित गताश्रम नारायण मंदिर से प्रारंभ होकर द्वारकाधीश मंदिर, स्वामी घाट, चौक बाजार, मंडी रामदास, डीग गेट होते हुए जन्मस्थान गेट के सामने से मंदिर प्रांगण पहुंची। शोभायात्रा में पांच आकर्षक झांकियां, घुड़सवार, ढोल–ताशे व बैंड बाजों के साथ गुलाल उड़ाया गया। सेवायत भगवत शरण गोस्वामी, जगदीश गोस्वामी सहित अन्य परिजन डोले के साथ चल रहे थे। जगह–जगह आरती व पुष्पवर्षा से स्वागत हुआ। मंदिर प्रांगण में रावल व

डोले के साथ चल रहे पदाधिकारी।

नंदगांव से आए हुरियारों संग लठामार होली खेली गई। सुरेश अग्रवाल, पार्षद नीरज वशिष्ठ, दिलीप पांडे, कृष्ण गोपाल शर्म, बिहारी लाल गोस्वामी, मुन्नीलाल गोस्वामी, गिरिराज शरण, गोस्वामी योगेंद्र गोयल, मुकटमनी शर्मा, राज कुमार अग्रवाल, दीपक शर्मा ने शोभायात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भक्ति और रंगों संग सजेगा श्याम दरबार

श्री श्याम लाडला परिवार सात मार्च को मनाएगा श्याम फाग महोत्सव

यूनिक समय, मथुरा। श्री श्याम लाडला परिवार के तत्वावधान में श्री श्याम प्रभु के मंदिर स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने पर श्याम फाग महोत्सव का आयोजन सात मार्च को किया जाएगा। महोत्सव में बाबा श्याम का आकर्षक एवं अलौकिक दरबार सजाया जाएगा, और भक्ति एवं फाग रस से भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

श्याम फाग महोत्सव मनाने के बारे में जानकारी देते श्री श्याम लाडला परिवार के पदाधिकारी।

इस मौके पर महंत भवानी गिरी, प्रियंक मल्होत्रा, अंकुर गोयल, शिवम गर्ग, अंशुल गोयल, लवकेश अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, शुभम पिपलिया, मनोज अग्रवाल एवं उमेश भदौरिया आदि उपस्थित थे।

प्राथमिक विद्यालय औधूता में बच्चों का हुआ टीकाकरण

यूनिक समय, चौमुहां। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्राथमिक विद्यालय औधूता में बच्चों का टीकाकरण किया। बच्चों को खसरा व रूबेला के टीके लगाए गए। प्रधानाध्यापक व भारत स्काउट और गाइड के जिला संगठन कमिश्नर अशोक कुमार सोलंकी ने कहा कि सरकार द्वारा बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है, जिससे शरीर के अन्दर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा मिलता है। ए एन एम चंचल शर्मा ने बताया कि खसरा व रूबेला के टीके का कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं है। इस अवसर पर वर्षा बघेल, मुकेश कुमार, सचिन सिंह, आशाराम तथा बृजलता आदि उपस्थित थे।

रंगोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक: जगप्रवेश

वृंदावन कान्हा गौशाला में आयोजित होली मिलन समारोह में महापौर विनोद अग्रवाल, उपसभापति मुकेश सारस्वत एवं नगर आयुक्त जगप्रवेश आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। रंग भरनी एकादशी पर वृन्दावन कान्हा गौशाला में हुए होली मिलन समारोह ने सौहार्द एवं स्वच्छता का संदेश दिया।

कार्यक्रम विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर उपसभापति मुकेश सारस्वत, सभी पार्षद, अपर नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, महाप्रबंधक (जल), मुख्य अभियंता (निर्माण), अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सहित नगर निगम के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश प्रसारित किया। नगर आयुक्त ने कहा कि ब्रज में मनाया जाने वाला रंगोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। यह पर्व सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग एवं सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ–साथ स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मनाएं।

मथुरा सीए शाखा का होली मिलन समारोह उत्साहपूर्वक सम्पन्न

यूनिक समय, मथुरा। आईसीएआई मथुरा सीए शाखा द्वारा 26 फरवरी को अग्रवाटिका में वार्षिक होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एएसपी मथुरा आशना चौधरी रहीं। शाखा अध्यक्ष सीए राहुल चौधरी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने शाखा परिसर में नव–निर्मित बहुउद्देश्यीय हॉल का डिजिटल रिमोट से शुभारम्भ किया। साथ ही डिजिटल डायरेक्टरी ऐप का लोकार्पण भी किया, जिससे सदस्यों को कार्यक्रमों व सूचनाओं की त्वरित जानकारी मिल सकेगी।

होली मिलन समारोह में राधा–कृष्ण स्वरूपों के साथ पदाधिकारी।

अपने संबोधन में उन्होंने शाखा के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे पेशेवर उत्कृष्टता और पारदर्शिता का प्रतीक बताया। समारोह में राधा–कृष्ण भजनों, फाग गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। सदस्यों ने गुलाल लगाकर एक–दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह में सीए प्रवीण अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), सीए राहुल गर्ग (सचिव), सीए लोकेश वार्ष्णेय (उपाध्यक्ष), सीए राजेश गुप्ता, सीए कुलदीप अरोरा, सीए रोहित कपूर, सीए संजीव अग्रवाल, सीए आलोक नगर, सीए अश्विनी खंडेलवाल, सीए जितेंद्र चतुर्वेदी, सीए पीयूष बंसल, सीए योगेश बाबू, सीए गौरव गुप्ता सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

रामताल के पास बन रही सड़क बन गई परेशानी का सबब

यूनिक समय, मथुरा। रामताल से आगे ओमेक्स के पीछे वाले मोड़ से बिना सोचे विचारे दो दिन पहले से सीमेंट रोड बनाने का कार्य शुरू कर दिया है। इसकी वजह से केवल एक एक गाड़ी एक साइड से निकल सकती हैं। त्योहार की वजह से दिल्ली से आने वाले लोग इस रोड का बहुत उपयोग करते हैं। अब वहाँ कल से जाम लगना शुरू हो गया है। 4 मार्च होली तक बहुत बुरी स्थिति रहेगी जो रोड बनती जा रही है। उस पर बाइक चढ़ उतर रहीं हैं। जिससे नई बनी सड़क टूटती जा रही है। कौन ध्यान देगा इस पर, ट्रैफिक जाम व फिर सड़क टूटने पर कौन जिम्मेदार होगा। शासन का पैसा बर्बाद होगा। यह एक प्रश्नचिन्ह है ?

जीएलए में जनरेटिव एआई हैकाथॉन आइडिया से स्टार्टअप की सशक्त पहल

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय में स्पार्कल जीएलए टीबीआई द्वारा मेइटी स्टार्टअप हब (एमएसएच) के सहयोग से तथा ईजी नॉलेज क्लब को कम्युनिटी पार्टनर के रूप में साथ लेकर एआई–निर्माण 36–घंटे का जनरेटिव एआई हैकाथॉन का सफल आयोजन किया गया। एआई–निर्माण एक स्टार्टअप–केंद्रित हैकाथॉन है, जिसका उद्देश्य युवा नवाचारकर्ताओं और उभरते फाउंडर्स को वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उन्हें स्केलेबल एवं प्रोडक्ट–रेडी एआई समाधानों में परिवर्तित करने हेतु सशक्त मंच प्रदान करना है। इस 36 घंटे के गहन प्रारूप में कुल 19 टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागी टीमों ने फिनटेक, एडटेक, लीगलटेक, क्रिएटर इकोनॉमी एवं ओपन इनोवेशन जैसे विभिन्न डोमेन में एआई आधारित समाधान विकसित किए। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा सत्र, हैंड्स–ऑन वर्कशॉप तथा वन–टू–वन मेंटरिंग के माध्यम से प्रोडक्ट थिंकिंग, मार्केट–फिट और प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों के लिए प्री–प्रेपरेशन वर्कशॉप्स आयोजित की गईं। 91 मोबाइल्स के वाइस–प्रेसिडेंटटेक्नोलॉजी प्रत्युष मजूमदार ने एजेंटिक एआई एंड द फ्यूचर ऑफ वर्क विषय पर सत्र लिया। वहीं ग्रेस्ट के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर एवं निवेशक संजीव अग्रवाल ने प्रॉब्लम स्टेटमेंट से प्रोडक्ट–मार्केट फिट तक विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रतिभागी टीमों का मूल्यांकन जीएसएफ के इन्वेस्टमेंट एसोसिएट जस्मीत भाटिया, एग्जिट फंड वेंचर्स के इन्वेस्टमेंट लीड मनीष कुमार, सूनिकॉर्न वेंचर की इन्वेस्टमेंट एसोसिएट देवांशी पाहुजा, एलवीएक्स वेंचर की इन्वेस्टमेंट एसोसिएट वंशिका, ईजी नॉलेज क्लब की निकिता शर्मा, इंडिकॉर्न एंजेल्स के इन्वेस्टर अमित सिंगल, ईजी नॉलेज क्लब की फाउंडर राखी सिंगल, एएसआर बिजनेस एडवाइजर्स प्रा. लि. के संतोष जैन, स्विफ्ट सीड वेंचर्स के इन्वेस्टर अमर दीक्षित तथा ग्रेस्ट के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर संजीव अग्रवाल सहित प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों द्वारा किया गया। एआई–निर्माण 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टीम व्हीटस्पेक्ट्रल एआई ने प्रथम पुरस्कार (35,000), टीम निवेश एआई ने द्वितीय पुरस्कार (25,000) तथा टीम विज्ञापन एआई ने तृतीय पुरस्कार (10,000) प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार (5,000 प्रत्येक) टीम कोडबस्टर एवं टीम फ्लुएंजी एआई को प्रदान किया गया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर के वाइस–प्रेसिडेंट रवि तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मैनेजर इवेंट्स एंड आउटरीच दीपक शर्मा, न्यूजन आईईडीसी के कोऑर्डिनेटर जितेन्द्र शर्मा, टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर के ऑपरेशंस मैनेजर सौरभ तिवारी तथा एंटरप्रेन्योरशिप सेल की छात्र टीम का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा। एआई–निर्माण 2026 ने यह सिद्ध किया कि सशक्त मार्गदर्शन, निवेशकों की सक्रिय भागीदारी और मजबूत नवाचार पारितंत्र के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को समस्या से समाधान और समाधान से स्टार्टअप की दिशा में प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा सकता है।

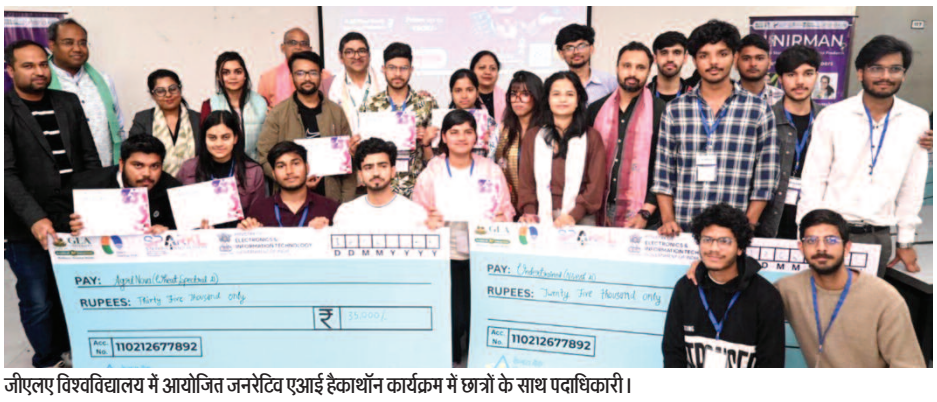

जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित जनरेटिव एआई हैकाथॉन कार्यक्रम में छात्रों के साथ पदाधिकारी।

हाईवे पर जाम बन रहा गति अवरोधक

हाई स्पीड वाहन भी रेंग–रेंग कर चलने को मजबूर

राष्ट्रीय राजमार्ग पर नरहौली पुल पर जाम में फंसे वाहन। घंटों इतंजार करते चालक।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्गों पर गुजरने वाले वाहनों से भारी–भरकम टैक्स वसूली के बाद भी मार्ग पर चलने वाले वाहनों को कोई सुविधा मिलती दिखाई नहीं दे रही है। हाईवे पर वाहनों को घंटों जाम से दो चार होना पड़ता है। यही नहीं कभी भी हाईवे पर होने वाली दुर्घटना के बाद वाहनों का रूट तक चेंज कर दिया जाता है। सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण वाहनों को गति देने और सड़कों पर आबादी क्षेत्र में लगने वाले जाम के झाम से बचने

फ्लाइओवरों पर सड़क दिखती है खराब

के लिए कराया था। इस पर चलने वाले वाहनों से भारी भरकम टैक्स भी सरकार को मिल रहा है। भारी भरकम टैक्स देने के बावजूद भी सरकार द्वारा बनाए गए हाईवे लोगों की आशाओं के अनुरूप नजर नहीं आ रहे हैं। हाईवे पर चलने वाले वाहनों की स्पीड पर शहर से होकर जाने वाले हाईवे पर लगने वाले जाम में फंसकर घंटों रुकना पड़ रहा है। जनपद से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर मसानी चौराहे से लेकर टाउन शिप तक के मार्ग पर हर रोज जाम के हालात बने रहते हैं। यहां लगने वाले जाम में घंटों वाहनों को रुकना पड़ता है। इसके चलते हाईवे जो वाहनो की गति बढ़ाने के लिए बना था। अब उस गति पर इस तरह लगने वाले जाम ब्रेक लगा रहे हैं। इसके साथ ही हाईवे पर बने पुलों पर सड़क भी काफी खराब होने के कारण वहां से गुजरने वाले वाहनों की गति को कम कर रही है।

श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते वृंदावन के कई क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति अस्थायी बंद कराई

यूनिक समय, वृंदावन। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए कई क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। मंदिरों के आसपास की गलियों में अत्यधिक भीड़ होने के कारण लोग विद्युत पैनलों और ट्रांसफॉर्मरों के निकट से होकर गुजर रहे श्रद्धालुओं को देखते हुए सप्लाई बंद कराई गई। विद्युत अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा की दृष्टि से मंदिरों के आसपास स्थापित ट्रांसफॉर्मरों की आपूर्ति पूर्ण रूप से बंद कर दी थी। संबधित अधिकारियों ने कहा कि भीड़ कम होने के उपरांत सायं के समय चालू कर दी गई। 630 केवीए ट्रांसफॉर्मर, स्नेह विहारी जी मंदिर, 630 केवीए ट्रांसफॉर्मर, विद्यापीठ चौराहा, 630 केवीए ट्रांसफॉर्मर, जुगल घाट, 250 केवीए ट्रांसफॉर्मर, जुगल घाट, 630 केवीए ट्रांसफॉर्मर, काली दह तिराहा, 250 केवीए ट्रांसफॉर्मर, जयपुरिया भवन, 400 केवीए ट्रांसफॉर्मर, जयपुरिया भवन क्षेत्रों के बंद कराई। अधिकारियों का कहना है कि यदि इन संकरी गलियों में करंट फैलने या किसी प्रकार की विद्युत दुर्घटना की सूचना मिलती है तो तकनीकी दल को मौके पर पहुंचने में लगभग 30 से 40 मिनट का समय लग सकता है। ऐसी स्थिति में किसी अप्रिय घटना से बचाव के लिए एहतियातन आपूर्ति बंद की गई है।

भारत विकास परिषद ने मनाया रंगोत्सव

कार्यक्रम में लठामार होली खेलते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। भारत विकास परिषद की 'मुख्य शाखा' मथुरा द्वारा प्रेम और सौहार्द के पर्व होली को पारिवारिक स्वरूप में स्थानीय होटल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शाखा संस्थापक सचिन अग्रवाल 'घी वाले' ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और विशेष रूप से ब्रज की होली की विशिष्टता से परिचित कराना है। सचिव आलोक जैन ने कहा कि बरसाना की लठमार होली की तर्ज पर महिला–पुरुषों ने आकर्षक लठमार होली खेली। जीवंत प्रस्तुति ने पूरे हॉल को मानो बरसाना का रूप दे दिया और राधा–कृष्ण काल की छटा साकार हो उठी। हास्य–विनोद से भरपूर जोगीरा ने सभी को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। अतिथि के रूप में पधारे कोसीकला अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल ने परिषद के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक रूप से पर्व मनाने से आपसी भाईचारा सुदृढ़ होता है। अध्यक्ष डॉ. सुधीर गर्ग ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य सदस्य व परिवारजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेश अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, श्रीकांत, जीतू गर्ग, सीए अभिषेक, सीए चिराग, मृदुल ,यशवीर शर्मा, महेश बिंदल, मनोज गोयल, मनोज भार्गव, अन्नू वाष्णेय, धर्म सिंह, यदुवीर सिंह, अतुल शोरा वाला, गौरव अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, अलका अग्रवाल, तनु अग्रवाल, नेहा, लीना, भारती, शालिनी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 604 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। गोवर्धन पुलिस ने भवनपुरा पुल अड़ीग के समीप से भातू मोहल्ला अड़ींग निवासी धारा सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 604 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पार्षद पर लगाया दबंगई से बाउंड्री तुड़वाने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। रोहिणी कॉलोनी में पार्षद पर लगाया रास्ते पर बने चबूतरे आदि को दबंगई से तुड़वाने का आरोप। इस मामले में एसएसपी को दी गई शिकायत। रोहिणी बिहार कॉलोनी में रहने वाले ग्रामीणों ने खेमचंद की अगुवाई में एसएसपी कार्यालय पहुंचकर एक प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र में पार्षद द्वारा बनवाए जा रहे रास्ते में दबंगई

18 फिट की सड़क को एक जैसा बनाने की उठाई मांग

से कुछ लोगों की बाउंड्री और चबूतरे तुड़वाने का आरोप स्थानीय पार्षद पर लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 18 फुट के रोड पर उन्होंने अपनी मार्केट आदि बना रखी है। इसके साथ ही दूसरों की बनी बाउंड्री और चबूतरों को गलत तरीके से तुड़वा दिया गया है। जबकि दीवार और बाउंड्री 18 फिट के रास्ते के काफी अलग है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रोड 18 फिट है तो उसे शुरू से लेकर आखिर तक एक जैसा बनवाया जाए। सबके साथ एक जैसा व्यवहार किया जाए।

आयुष्मान कार्ड होने के बाद भी इलाज में देरी, मरीज परेशान

यूनिक समय, मथुरा। सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाती है, लेकिन जिले में कई मरीजों को आयुष्मान कार्ड होने के बाद भी समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। अस्पतालों में मरीज को भर्ती तो कर लिया जाता है, लेकिन इलाज तब तक शुरू नहीं होता जब तक ऊपर से ऑनलाइन अनुमति नहीं मिल जाती। अस्पताल पहले मरीज की

ऊपर से अनुमति मिलने के बाद ही शुरू होता है इलाज

घंटों करना पड़ता है इंतजार

पूरी जानकारी पोर्टल पर अपलोड करते हैं। इसके बाद विभाग से मंजूरी आती है। मंजूरी मिलने में कई बार कई घंटे लग जाते हैं। कुछ मामलों में एक दिन तक इंतजार करना पड़ता है। मरीजों के परिजनों का कहना है कि आपात स्थिति में भी पहले कागजी और ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। एक मरीज के परिवार ने बताया कि ऑपरेशन की जरूरत थी, लेकिन अनुमति आने तक इंतजार करना पड़ा। अस्पताल संचालकों का कहना है कि नियम के अनुसार बिना अनुमति इलाज शुरू करने पर भुगतान रुक सकता है। इसलिए वे पहले स्वीकृति का इंतजार करते हैं। लोगों का कहना है कि योजना अच्छी है, लेकिन प्रक्रिया आसान और तेज होनी चाहिए। अगर आपातकालीन मरीजों के लिए तुरंत अनुमति की व्यवस्था हो जाए तो लोगों को राहत मिल सकती है। मरीज के अनुसार बताया कि अस्पतालों में आंखों के ऑपरेशन के लिए जाते है, कुछ रुपये आयुष्मान कार्ड से काटे जाते हैं। कुछ रुपये मरीजों से नकद लिए जाते हैं।

कॉमेडी नाटक–हाय हैंडसम की शानदार प्रस्तुति

यूनिक समय, वृन्दावन (मथुरा)। भारत विकास परिषद वृंदावन शाखा एवं सांस्कृतिक संस्था–बाँसुरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नाट्य समारोह में भारतीय जन नाट्य संघ, इप्टा ने जयवर्धन के लिखित हास्य नाटक हाय हैंडसम एवं वरिष्ठ रंगकर्मी देवेंद्र पाल द्वारा निर्देशित नाटक का मंचन वृंदावन स्थित बालाजी देवस्थान के हॉल में किया। आशीर्वचन देते हुए आध्यात्मिक गुरु डॉ अनुराग कृष्ण पाठक ने कहा कि यह नाटक हास्य के साथ–साथ वर्तमान सामाजिक व्यवस्था पर व्यंग के रूप में भी था। उन्होंने कहा कि ब्रज में कृष्ण कन्हैया विश्व के सबसे बड़े कलाकार रहे। यह भूमि तो कलाकारों की भूमि रही है। विशिष्ट अतिथि नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के पूर्व निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने बृज की कला, रासलीला एवं बृज के नागरिकों की देव तुल्य कृष्ण एवं राधा से की। कार्यक्रम अध्यक्ष नगर निगम के पूर्व उप नेता सदन राधा कृष्ण पाठक ने कहा कि नाटक करना बहुत कठोर परिश्रम है। कार्यक्रम में पार्षद प्रतिनिधि सतीश बघेल, जय प्रकाश सारस्वत, देव सारस्वत, डॉ जमुना शर्मा, योगेश शर्मा, मुकेश पंडित, विश्वनाथ गुप्ता, सीता अग्रवाल, डॉ वर्तिका किशोर आदि उपस्थित थे। संचालन मनोज राठौर ने किया। सांस्कृतिक संस्था बांसुरी के संस्थापक निदेशक विनय गोस्वामी ने अतिथियों का आभार जताया।

ठाकुर बांके बिहारी के दरबार में शुरू हुई बहुरंगी बौछार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। जन जन के आराध्य ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दरबार में रंगभरनी एकादशी की सुबह से ही बहुरंगी बौछार शुरू हो गई। इस दिव्य महोत्सव का शुभारम्भ करते हुए सेवायतों ने सबसे पहले सफेद पोशाक भूषण धारण कर मंदिर जगमोहन में सिंहासन पर विराजमान ठाकुरजी के श्रीचरणों में सोने–चाँदी की पिचकारी से केसरिया रंग समर्पित किया। भगवान के प्रतिनिधि स्वरूप सेवायतों ने रजत पिचकारी से भक्तों पर टेसू के फूल से बना रंग बरसाया जाने लगा। भगवान के कृपारूपी रंग में सराबोर होकर असंख्य भक्तजन आनंद के सागर में डूबते हुए बिहारी बिहारिन की रे मोपै यह छबि बरनी ना जाय जैसे प्राचीन होली के पद और रसियाओं का गायन करने लगे। रंग भरनी एकादशी पर मंदिर में चहुँओर इत्र, गुलाबजल, केसर की मनमोहक सुगंध के बीच भक्ति और मस्ती का अदभुत संगम नजर आ रहा था। मंदिर से जुड़ी लगभग दो दर्जन से अधिक गलियों में ढोलक, चंग, मृदँग, खड़ताल, मंजीरा व चिमटा जैसे पुरातन वाध्ययंत्रों की मधुर गूँज के मध्य नाचते गाते श्रद्धालुओं की टोलियाँ निरंतर आगे बढ़ती जा रहीं थीं। सभी भक्त अपने आराध्य श्री बांकेबिहारी महाराज के मंदिर में बरसते रसरंग की मात्र एक बूंद पाने को लालायित दिखाई दे रहे थे। इस माहौल से ब्रज–वृन्दावन में आज पुनः द्वापर युगीन नजारा साकार हो रहा था। रंग भरनी एकादशी पर मंदिर में अबीर गुलाल के साथ टेसू के रंगों की बौछार में हर श्रद्धालु भीगने के लिए विवश दिखाई दिया। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर मंदिर के निकास द्वार संख्या–1 पर एलईडी स्क्रीन लगाई गई है, जिसके माध्यम से मंदिर के भीतर के कार्यक्रमों का लाइव स्ट्रीमिंग किया जा रहा था। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। श्री हरिदास पीठ में श्री हरिदासबिहारी फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने ट्रस्ट संस्थापक इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी के सानिध्य में भक्तों को जलेबी का विशेष भोग तथा प्रसादी गुलाल वितरित किया।

शुक्रवार को ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रंग भरनी एकादशी पर बरसते फूलों की अदभुत छटा का नजारा।

रंगभरनी एकादशी पर बांके बिहारी में खूब उड़ा गुलाल।

त्रिदिवसीय वार्षिक पाटोत्सव एवं होली महोत्सव शुरू

श्री कपिल कुटीर सांख्य योग आश्रम में ठाकुर श्री राधिका बिहारी जू महाराज की पूजा करती महामंडलेश्वर साध्वी साधिका पुरी जटा वाली मां।

यूनिक समय, वृन्दावन। छटीकरा रोड स्थित श्रीकपिल कुटीर सांख्य योग आश्रम में ठाकुर श्री राधिका बिहारी जू महाराज का त्रिदिवसीय वार्षिक पाटोत्सव एवं होली महोत्सव प्रारंभ हो गया है। महोत्सव का शुभारंभ महामंडलेश्वर साध्वी साधिका पुरी जटा वाली मां ने ठाकुर राधिका बिहारी जू महाराज एवं अपने सदगुरुदेव ब्रह्मलीन स्वामी कपिलानन्द महाराज, ब्रह्मलीन साध्वी गोपी वाला मां व ब्रह्मलीन स्वामी गोकुलानंद महाराज आदि के चित्रपट के सामने दीप प्रज्ज्वलन व पूजन–अर्चन करके किया। अपराह्न ठाकुर राधिका बिहारी जू महाराज की शोभायात्रा निकाली गई। महिलाएं थिरकती चल रही थी। शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर, रंग–गुलाल उड़ाकर व आरती उतारकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. आदित्यानन्द महाराज, स्वामी भुवनानंद महाराज एवं डॉ. गोपाल चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

छाता तहसील के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने गुलाल लगाया

अबीर गुलाल में रंगे तहसील के अधिकारी एवं कर्मचारी।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। होली पर तहसील के अधिकारी व कर्मचारियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली मनाई। तहसील के सभागार में रंग गुलाल की वर्षा हुई। इस दौरान उप जिला अधिकारी वैभव गुप्ता, तहसीलदार सचिन पवार, सभी हल्का कानूनगो, लेखपाल संघ जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष समेत लेखपाल तहसील कर्मचारी मौजूद थे।

श्री जी महाराज की कथा में झूमे श्रद्धालु

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता क्षेत्र स्थित अलवाई साँखी में इन दिनों भक्ति की अविरल धारा बह रही है। खीर वाली माता मंदिर पर आयोजित 'ब्रजरस पान महोत्सव' ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय कर दिया है। भागवत कथा के छठवें दिन दिव्य आयोजन के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुँचकर श्री जी महाराज के श्रीमुख से कथा का रसास्वादन किया। इस मौके पर सदगुरु भागवत शरण महाराज, राधा बिहारी शरण वृंदावन, लोकेश गोस्वामी नंदगांव, संजय गोस्वामी बरसाना, जगदगुरु पीपा पीठाधीश्वर डॉ. कृष्ण दास महाराज, मुकुंद शरण, संत गुण दास बाबा, राधे श्याम बाबा बल्देव बाबा, लाड़ली शरण, बालकिशन, श्याम बिहारी, मोहन दास तथा राधा शरण आदि उपस्थित थे।

नलकूपों के संचालन को जनरेटर लगाया गया

जुगलघाट पर नलकूपों के जनरेटर के उद्घाटन अवसर पर उपसभापति मुकेश सारस्वत एवं पार्षद वैभव अग्रवाल समेत अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। जुगलघाट परिक्रमा मार्ग स्थित दो नलकूपों के संचालन हेतु 63 केवीए के जनरेटर की स्थापना का कार्य कराया गया है। इस जनरेटर की स्थापना के बाद बांके बिहारी परिसर में विद्युत आपूर्ति न रहने की दशा में भी जलापूर्ति की कोई समस्या नहीं होगी। विद्युत आपूर्ति नही होने की दशा में भी नलकूप संचालित होते रहेंगे। इस कार्य का उद्घाटन उपसभापति मुकेश सारस्वत एवं वार्ड 70 के पार्षद वैभव अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक जल अनवर ख्वाजा, सहायक अभियंता जल अनूप सूद, अवर अभियंता जल अभिमन्यु मौर्य एवं प्रभारी जल राजेश गौतम आदि उपस्थित थे।

पशु जैविक उत्पादों के क्षेत्र में आईआईएल की अग्रणी भूमिका

दुवासू में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (दुवासू) ने पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार में "दीक्षोत्सव माह-2026" (02 फरवरी 10 मार्च 2026) के अंतर्गत, विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की पूर्व श्रृंखला में डॉ. पी.जी. पाण्डेय एवं डॉ. वर्गीज कुरियन स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने की। स्मृति व्याख्यान प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने प्रस्तुत किए। इनका कार्य भारत में ग्रामीण विकास एवं पशुपालन के भविष्य को निरंतर दिशा प्रदान कर रहा है। बैंफ डेवलपमेंट रिसर्च फाउंडेशन, पुणे के अध्यक्ष एवं प्रबंध ट्रस्टी डॉ. भरत काकड़े ने डॉ. पी.जी. पाण्डेय स्मृति व्याख्यान अत्यंत प्रेरणादायी एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विख्यात पशु विकृति–विज्ञानी एवं परजीवी विज्ञानी डॉ. पी.जी. पाण्डेय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने ग्रामीण समृद्धि हेतु बैंफ के समग्र एवं सतत विकास मॉडल पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्था जलवायु–सहिष्णु कृषि, पशुधन की आनुवंशिक उन्नति, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जलागम विकास तथा सामुदायिक संस्थाओं के सशक्तिकरण को एकीकृत करते हुए सुदृढ़ ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रही हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सतत पशुपालन पद्धतियाँ न केवल उत्पादकता बढ़ाती हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन एवं लघु एवं सीमांत किसानों की दीर्घकालिक आजीविका सुरक्षा भी सुनिश्चित करती हैं। इंडियन इम्युनोलॉजिकल्स लिमिटेड हैदराबाद के प्रबंध निदेशक डॉ. के आनंद ने डॉ. वर्गीज कुरियन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि आईआईएल, नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड की सहायक कंपनी के रूप में "वन हेल्थ" अवधारणा के अंतर्गत पशु एवं मानव स्वास्थ्य उन्नयन में अग्रणी भूमिका निभा रही है। डॉ. कुमार ने पशु जैविक उत्पादों के क्षेत्र में आईआईएल की अग्रणी स्थिति का उल्लेख किया। मानव स्वास्थ्य के क्षेत्र में उन्होंने आईआईएल को विश्व का सबसे बड़ा एंटी–रेबीज टीका निर्माता बताया तथा सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम हेतु टीकों की आपूर्ति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। रोकथाम एवं "वन हेल्थ" दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई। कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने डॉ. पी.जी. पाण्डेय के पशु विकृति–विज्ञानी एवं परजीवी विज्ञान में अमूल्य योगदान का स्मरण किया। डेयरी विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने अतिथियों का स्वागत किया।

राष्ट्रीय मानव पैपिलोमा विषाणु टीकाकरण अभियान प्रारंभ

यूनिक समय, मथुरा। जिले में 28 फरवरी से राष्ट्रीय मानव पैपिलोमा विषाणु टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान में 9 से 14 वर्ष की आयु की बालिकाओं को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव किया जाएगा। बालिकाओं को सरकारी चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा विशेष शिविरों के माध्यम से निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार मानव पैपिलोमा विषाणु संक्रमण गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का कारण है। समय पर टीकाकरण कराने से लगभग 70 से 90 प्रतिशत तक इस कैंसर की रोकथाम हो सकती है।

कल सभी सरकारी कार्यालय और बैंक खुलेंगे

यूनिक समय, लखनऊ। यूपी सरकार ने होली पर 3 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया। निगोशियेबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के तहत छुट्टी का यूपी सरकार ने आदेश जारी किया। 2 मार्च को होलिका दहन और 4 मार्च को होली का अवकाश रहेगा। 28 फरवरी को सभी सरकारी कार्यालय, बैंकों और कोषागार खुले रहेंगे।

अधिवक्ताओं के होली मिलन समारोह में रंग बरसा

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। अधिवक्ता कल्याण एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित होली मिलन समारोह मनाया गया। एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली खेली। ढोल नगाड़ों के साथ में होली के परंपरागत गीत गए। अंकिचन कवि ने होली गीत सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

सुविचार

सपनों की कीमत समझो, उन्हें सच में बदलो।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	10:33-08:43 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पुर्नवसु	10:48-09:34 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय		06:53 AM	चन्द्रोदय	03:28 PM
सूर्यास्त		06:25 PM	चंद्रास्त	05:16 AM
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त		12:16PM -01:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		09:46 AM:11:12 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

शादी के बाद पहली होली का खास रिवाज

पहली होली मायके में क्यों मनाती हैं बहू

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय विवाह परंपराओं में शादी के बाद बहू की पहली होली मायके में मनाने की रस्म आज भी कई राज्यों में पूरे सम्मान के साथ निभाई जाती है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और हरियाणा सहित कई क्षेत्रों में यह परंपरा केवल एक सामाजिक रिवाज नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और पारिवारिक संतुलन का प्रतीक मानी जाती है।

शादी के बाद लड़की एक नए घर और नए रिश्तों में कदम रखती है। ऐसे में होली जैसे उत्साह, भीड़ और रंगों से भरे त्योहार के दौरान उसे सहज माहौल देने के उद्देश्य से पहली होली मायके में मनाने की प्रथा विकसित हुई। यह समय उसे मानसिक रूप से स्थिर होने, नए परिवेश में ढलने और आत्मविश्वास पाने का अवसर देता है। मायके का परिचित वातावरण उसके लिए भावनात्मक सहारा बनता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

भारतीय संस्कृति में बेटी को सदैव स्नेह और सम्मान का स्थान प्राप्त है। विवाह के बाद पहली होली पर उसे मायके बुलाना यह संदेश देता है कि उसका अपने माता-पिता के घर पर अधिकार और प्रेम पहले जैसा ही है। यह परंपरा दोनों परिवारों के बीच आत्मीय संबंध मजबूत करने का माध्यम भी बनती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मायके से प्रसन्न मन लौटने वाली बहू ससुराल में सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि लेकर आती है। इसे शुभ संकेत माना जाता है।

कई स्थानों पर पहली होली के बाद बहू के ससुराल लौटने पर विशेष स्वागत और उपहार देने की भी परंपरा है।

सामाजिक दृष्टि से भी इस प्रथा का महत्व रहा है। पुराने समय में होली के दौरान माहौल काफी उन्मुक्त और अनियंत्रित हो सकता था। नई दुल्हन की झिझक और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवार उसे मायके भेजना उचित समझते थे।

इस प्रकार पहली होली मायके में मनाना केवल रस्म नहीं, बल्कि प्रेम, सम्मान, सुरक्षा और रिश्तों में मधुरता बनाए रखने की सांस्कृतिक परंपरा है, जो आज भी समाज में जीवित है।

व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 1 मार्च, दिन रविवार: रवि प्रदोष व्रत
- 3 मार्च, दिन मंगलवार: फाल्गुन पूर्णिमा
- 4 मार्च, दिन बुधवार: होली
- 6 मार्च, दिन शुक्रवार: भालचन्द्र संकष्टी
- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

दिन सभी राशियों के लिए अलग-अलग अनुभव लेकर आया है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के अनुसार कहीं व्यस्तता रहेगी तो कहीं भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा। आइए जानते हैं संक्षेप में सभी 12 राशियों का हाल।

मेष राशि वालों के लिए घर में हलचल भरा दिन रह सकता है। बच्चों की गतिविधियां बढ़ेंगी और मेहमानों का आगमन संभव है। करियर में योजनाओं को सराहना मिल सकती है।

वृषभ राशि के जातक घरेलू जिम्मेदारियों में व्यस्त रहेंगे। कार्यस्थल पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

मिथुन राशि वालों को काम का दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर भी मिलेगा। वरिष्ठों से मतभेद संभव हैं।

कर्क राशि के लिए लंबित कार्य पूरे करने का समय है। कार्यक्षेत्र में अनुकूल माहौल रहेगा, हालांकि भागदौड़ थकान बढ़ा सकती है।

सिंह राशि के जातकों को भावनात्मक संतुलन बनाए रखना होगा। कार्यस्थल पर विवाद से बचें और निर्णयों में लचीलापन रखें।

कन्या राशि के लोग घर और बाहर दोनों जिम्मेदारियां संभालेंगे। आर्थिक रूप से छोटा लाभ मिल सकता है।

तुला राशि के लिए रिश्तों में संवाद महत्वपूर्ण रहेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठों का सहयोग लेना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक राशि वालों का दिन व्यस्त रहेगा। काम में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और खर्चों पर ध्यान देना होगा।

धनु राशि के जातकों को मानसिक उलझन हो सकती है। मेहनत का परिणाम थोड़ा देर से मिल सकता है।

मकर राशि वालों को परिश्रम का फल मिल सकता है, हालांकि कुछ लोग श्रेय लेने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ राशि के लिए नए संपर्क लाभकारी साबित हो सकते हैं। कानूनी या किस्त संबंधी खर्च संभव है।

मीन राशि वालों के लिए रचनात्मकता बढ़ेगी। व्यापार में लाभ और भावनात्मक संबंधों में मजबूती देखने को मिल सकती है।

सुनहला रत्न पहनते ही चमकेगा भाग्य और करियर

यूनिक समय, मथुरा। रत्न शास्त्र में नौ मुख्य रत्नों के साथ 84 उपरत्नों का भी उल्लेख मिलता है। प्रत्येक रत्न का संबंध किसी विशेष ग्रह से माना जाता है और उसी आधार पर उसके प्रभाव बताए जाते हैं। इन्हीं रत्नों में सुनहला (येलो टोपाज) को विशेष महत्व दिया गया है, जिसे पुखराज का विकल्प माना जाता है। पुखराज अपेक्षाकृत महंगा होने के कारण कई लोग उसकी जगह सुनहला धारण करते हैं।

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार सुनहला का संबंध गुरु ग्रह यानी बृहस्पति से होता है। गुरु को ज्ञान, धर्म, भाग्य, समृद्धि और सम्मान का कारक ग्रह माना जाता है। कहा जाता है कि यदि कुंडली में गुरु शुभ और मजबूत स्थिति में हो तो सुनहला धारण करने से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं। मान्यता है कि इससे नौकरी और व्यवसाय में उन्नति, पदोन्नति के अवसर तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार जिन जातकों की कुंडली में गुरु उच्च या स्वगृही हों, वे इस उपरत्न को धारण कर सकते हैं। कर्क लग्न वालों के लिए गुरु भाग्य भाव के स्वामी माने जाते हैं, इसलिए उनके लिए यह रत्न लाभकारी बताया गया है। इसके अलावा मीन और धनु लग्न के लोगों को भी उचित परामर्श के बाद इसे पहनने की सलाह दी जाती है। हालांकि यदि कुंडली में गुरु नीच या अशुभ स्थिति में हों तो सुनहला धारण नहीं करना चाहिए।

धारण करने की विधि भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। सुनहला को सोने, चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वाकर गुरुवार के दिन पहनना शुभ माना जाता है। इसे धारण करते समय "ॐ ग्रां ग्रीं गूं गुरुवे नमः" मंत्र का जाप करने की परंपरा है।

हालांकि यह सभी बातें आस्था और ज्योतिषीय विश्वासों पर आधारित हैं। किसी भी रत्न को पहनने से पहले योग्य ज्योतिषाचार्य से सलाह लेना आवश्यक माना जाता है।

शादियों में हल्दी तेल की रस्म से निखरते दूल्हा-दुल्हन

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय विवाह केवल दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि परंपराओं, भावनाओं और संस्कारों का उत्सव है। इन्हीं परंपराओं में एक सबसे आनंदमय और महत्वपूर्ण रस्म है हल्दी और तेल की रस्म। शादी से पहले जब दूल्हा-दुल्हन को हल्दी का लेप लगाया जाता है, तो घर का आंगन हंसी, गीत और शुभकामनाओं से भर उठता है। यह रस्म केवल रंग लगाने की नहीं, बल्कि जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हल्दी को शुभ, मंगल और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। इसे देवी लक्ष्मी से जोड़ा जाता है, इसलिए विवाह से पहले हल्दी लगाना सौभाग्य और सुख-समृद्धि का आह्वान माना जाता है। मान्यता है कि हल्दी और सरसों के तेल का लेप दूल्हा-दुल्हन को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाता है। विवाह जैसे बड़े अवसर पर जब सभी की नजरें उन पर होती हैं, तब यह रस्म एक सुरक्षात्मक कवच का काम करती है।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी हल्दी की महत्ता कम नहीं है। हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन एक शक्तिशाली एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल तत्व है। यह त्वचा को संक्रमण से बचाता है और सूजन कम करता है। शादी की भागदौड़, भीड़ और मेकअप के बीच त्वचा को सुरक्षित रखना जरूरी होता है, जिसमें हल्दी का लेप सहायक बनता है।

हल्दी, बेसन और दही का मिश्रण त्वचा को एक्सफोलिएट कर उसे प्राकृतिक निखार देता है। वहीं सरसों या तिल के तेल की मालिश रक्त संचार को बेहतर बनाती है और शरीर को रिलैक्स करती है। इससे तनाव कम होता है और नींद भी अच्छी आती है। शादी की तैयारियों के बीच यह रस्म दूल्हा-दुल्हन के लिए एक सुकून भरा पल भी बन जाती है।

इस तरह हल्दी और तेल की रस्म केवल परंपरा नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, वैज्ञानिक लाभ और सौंदर्य निखार का सुंदर संगम है। यही कारण है कि सदियों से यह रस्म भारतीय विवाह का सबसे रंगीन और आनंदमय हिस्सा बनी हुई है।

सम्पादकीय

कार्यपालिका के नखरे और संस्कृति का संकट

यह कार्यपालिका को क्या हो गया है? लगता है अफसरशाही ने "मनमानी की कला" में मास्टरी हासिल कर ली है। केंद्र हो या राज्य, कोई फर्क नहीं–हर कदम लोकतंत्र और संस्कृति पर "हाथ आज़माने" के लिए उठाया जा रहा है। न्यायपालिका का सम्मान करना हो या विधायिका के प्रति श्रद्धा दिखाना, अफसरों को मौका मिले तो हाथ से जाने नहीं देते। अब तो लगता है, इनकी नई हॉबी है–हर मौका लोकतंत्र और संस्कृति पर अंगुली उठाने का। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। वजह? पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका पर कथित आरोप। देशवासियों का भरोसा सबसे ज्यादा जिस संस्था पर है, उस न्यायपालिका पर अंगुली उठाने की कोशिश केवल अफसरों की अहंकारी मानसिकता को उजागर करती है। बच्चों के मन में लोकतंत्र और न्यायपालिका की छवि धूमिल करना अब इनके लिए कोई बड़ा काम नहीं रहा। नई शिक्षा नीति भारतीय संस्कृति को बचाने की कोशिश कर रही है, लेकिन अफसर उसे चुनौती देने में व्यस्त हैं।

पवन गौतम
संपादक

सांस्कृतिक हठ का सबसे बड़ा उदाहरण होली पर परीक्षा आयोजित करना है। होली 2 से 4 मार्च तक मनाई जाती है, लेकिन सीबीएसई ने 2 मार्च को परीक्षा तय कर दी। राजस्थान बोर्ड ने 4 मार्च को परीक्षा रखी। परिणाम? छात्र त्योहार से दूर, अफसर अपनी "मनमानी महत्ता" में मस्त। ऐसा लगता है कि उनका उद्देश्य छात्रों को संस्कृति से दूर करना और अफसरशाही की प्राथमिकता को हाईलाइट करना है। पश्चात्य प्रेम और तिक्खी मनमानी का असर बच्चों तक पहुँच चुका है। कभी होली पर पानी की चिंता, कभी दीपावली पर प्रदूषण का हवाला। बाकी 364 दिन कोई चिंता नहीं, लेकिन दो–तीन त्योहारों पर अफसरों की नजर सटी रहती है। शायद यही दिन देशवासियों को "संस्कृति से हटने का सबक" देंगे। इन सब घटनाओं को देखकर लगता है कि लोकतंत्र की जड़ें खोखली और संस्कृति की हँसी उड़ रही है। भविष्य की पीढ़ी यही सीखेगी कि संविधान, न्यायपालिका और त्योहार–सब अफसरों के मनमानी और शौक के अधीन हैं। लोकतंत्र और संस्कृति के बीच की दूरी तेजी से बढ़ती जा रही है। देशवासियों के लिए संदेश साफ है: "काम करो, लेकिन अफसरों की मनमानी से सतर्क रहो!" क्योंकि अगर अफसरों ने मनमानी शुरू कर दी, तो लोकतंत्र और संस्कृति दोनों ही हास्यप्रद और चिंताजनक स्थिति में पहुँच जाएंगे।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

नंबरों की दौड़ में खोती शिक्षा की आत्मा

ललित अग्रवाल

नंबरों की दौड़ में खोती शिक्षा की आत्मा आज भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था का सबसे ज्वलंत प्रश्न बन चुकी है। विश्वविद्यालय, जो कभी विचारों की प्रयोगशाला, बौद्धिक स्वतंत्रता के मंच और सामाजिक परिवर्तन के केंद्र माने जाते थे, अब रैंकिंग, स्कोर, डेटा और प्रदर्शन संकेतकों की प्रतिस्पर्धा में उलझते दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्रणालियों ने निस्संदेह पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा दिया है, परंतु साथ ही एक ऐसी मानसिकता भी विकसित की है जिसमें शिक्षा का मूल्यांकन उसके सार से अधिक उसके आंकड़ों के आधार पर होने लगा है।

पिछले एक दशक में भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक ढांचे में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। अब अकादमिक परिषदों की बैठकों में पाठ्यक्रम सुधार या शोध की दिशा पर जितनी चर्चा होती है, उससे कहीं अधिक समय रैंकिंग के पैरामीटर, डेटा संकलन और प्रस्तुतीकरण की रणनीतियों पर व्यतीत होता है। संस्थान अपने "धारणा स्कोर" सुधारने के लिए विज्ञापन अभियानों, मीडिया प्रबंधन और पीआर एजेंसियों पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहे हैं। शिक्षा का विमर्श धीरे-धीरे ब्रांडिंग की भाषा में बदलता जा रहा है।

रैंकिंग का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ शोध और प्रकाशन है। "पब्लिश या पेरिश" की अवधारणा ने शिक्षकों पर अभूतपूर्व दबाव बनाया है। अब एक प्रोफेसर की प्रतिष्ठा इस बात से कम और उसके एच–इंडेक्स, साइटेशन और प्रकाशित शोधपत्रों की संख्या से अधिक आंकी जाती है। परिणामस्वरूप शोध की मात्रा में तो वृद्धि हुई है, किंतु गुणवत्ता और प्रासंगिकता पर प्रश्नचिह्न भी बढ़े हैं। कई बार शोध केवल प्रमोशन की अनिवार्यता पूरी करने का माध्यम बनकर रह जाता है। प्रेडेटरी जर्नल्स का जाल इसी दबाव का परिणाम है। ऐसे जर्नल्स, जिनकी कोई ठोस वैज्ञानिक या अकादमिक साख नहीं होती, पैसे लेकर शोधपत्र प्रकाशित कर देते हैं। इससे आंकड़े तो सुधरते हैं, पर ज्ञान की विश्वसनीयता पर आंच आती है। शोध का उद्देश्य समाज, उद्योग और नीति–निर्माण को दिशा देना होना चाहिए, न कि केवल डेटा शीट में एक और पंक्ति जोड़ना। वैश्विक रैंकिंग प्रणालियों में "इंटरनेशनल आउटलुक" और "ग्लोबल कोलैबोरेशन" महत्वपूर्ण मानदंड हैं। इस कसौटी पर बेहतर प्रदर्शन के लिए विश्वविद्यालय बड़ी संख्या में विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करते हैं। प्रेस विज्ञप्तियों और वेबसाइटों पर इन साझेदारियों की सूची लंबी होती जाती है, पर वास्तविकता में छात्र–शिक्षक आदान–प्रदान और संयुक्त शोध सीमित ही रह जाते हैं। कई एमओयू केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं, जिनका शैक्षणिक जीवन से गहरा संबंध नहीं होता। तकनीकी संस्थानों और मानविकी विश्वविद्यालयों को एक ही पैमाने पर मापना भी एक गंभीर असंतुलन को जन्म देता है। आईआईटी जैसे संस्थानों के लिए पेटेंट, स्टार्टअप और उद्योग सहयोग स्वाभाविक उपलब्धियां हैं। वहीं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय जैसे विश्वविद्यालयों में शोध का स्वरूप सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक विमर्श से जुड़ा होता है। यदि दोनों को समान मापदंड पर परखा जाएगा, तो मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्वाभाविक रूप से पिछड़ते प्रतीत होंगे, जबकि उनका योगदान समाज की वैचारिक और नैतिक संरचना को गढ़ने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। रैंकिंग की दौड़ में शिक्षण कार्य सबसे अधिक उपेक्षित हुआ है। कक्षा में शिक्षक और छात्र के बीच होने वाला संवाद, जो ज्ञान का वास्तविक स्रोत है, धीरे–धीरे हाशिये पर चला गया है। जब शिक्षक अस्थायी नियुक्तियों पर निर्भर होते हैं और उनका मूल्यांकन मुख्यतः शोधपत्रों की संख्या से होता है, तो वे शिक्षण में प्रयोग करने या जोखिम लेने से बचते हैं। छात्र भी उन विषयों की ओर आकर्षित होते हैं जिनमें अंक प्राप्त करना सरल हो, न कि उन विषयों की ओर जो उनकी बौद्धिक जिज्ञासा को चुनौती दें। चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम का उद्देश्य छात्रों को विविधता और लचीलापन प्रदान करना था, पर व्यवहार में यह कई बार "स्कोरिंग सब्जेक्ट्स" की खोज तक सीमित हो जाता है। शिक्षा का गहन अध्ययन और चिंतन, जो किसी भी विश्वविद्यालय की आत्मा है, प्रतिस्पर्धी मानसिकता के कारण कमजोर पड़ रहा है। निजी विश्वविद्यालयों के लिए रैंकिंग एक प्रभावी व्यावसायिक उपकरण बन चुकी है। जैसे ही कोई संस्थान राष्ट्रीय रैंकिंग में बेहतर स्थान प्राप्त करता है, वह इसे अपने प्रचार का प्रमुख बिंदु बनाता है। इससे ब्रांड वैल्यू बढ़ती है और कई बार फीस में वृद्धि भी होती है। शिक्षा की पहुंच और समावेशन के प्रश्न पीछे छूट जाते हैं। सामाजिक विविधता और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की भागीदारी पर कम ध्यान दिया जाता है। इस स्थिति का दीर्घकालिक प्रभाव चिंताजनक है। जब विश्वविद्यालयों का ध्यान केवल आंकड़ों पर केंद्रित हो जाता है, तो मौलिकता और नवाचार प्रभावित होते हैं। शोधकर्ता सुरक्षित विषयों का चयन करते हैं, जिनसे शीघ्र प्रकाशन संभव हो। जोखिमपूर्ण, दीर्घकालिक और अंतःविषय शोध, जो वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं, कम होते जाते हैं। समाधान क्या हो सकता है? पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है–प्रभाव आधारित मूल्यांकन प्रणाली का विकास। शोध की संख्या से अधिक उसके सामाजिक, आर्थिक और नीतिगत प्रभाव को महत्व दिया जाए। यदि किसी शोध ने ग्रामीण जल प्रबंधन की समस्या सुलझाई है या किसी नई तकनीक से उद्योग को लाभ हुआ है, तो उसका मूल्यांकन केवल साइटेशन से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक प्रभाव से होना चाहिए। दूसरा, विषय–विशिष्ट मानकों की आवश्यकता है। तकनीकी, चिकित्सा, प्रबंधन और मानविकी संस्थानों के लिए अलग–अलग मूल्यांकन ढांचे तैयार किए जाएं। इससे विविधता को सम्मान मिलेगा और प्रत्येक क्षेत्र अपनी विशिष्टता के अनुरूप विकसित हो सकेगा। तीसरा, क्लासरूम टीचिंग को रैंकिंग में अधिक वेटेज दिया जाना चाहिए। छात्र संतुष्टि, मेंटरिंग की गुणवत्ता, नवाचारी शिक्षण पद्धतियां और सामुदायिक सहभागिता जैसे तत्वों को प्रमुखता मिले। शिक्षक–छात्र संबंध को पुनर्स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। चौथा, स्थायी नियुक्तियों को प्रोत्साहन दिया जाए। अस्थायी और अनुबंधित शिक्षकों पर अत्यधिक निर्भरता अकादमिक स्वतंत्रता को कमजोर करती है। स्थिरता से ही दीर्घकालिक शोध और नवाचार संभव हैं। पांचवां, अंतरराष्ट्रीय सहयोग की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। केवल एमओयू की संख्या नहीं, बल्कि उनके वास्तविक परिणामों–संयुक्त प्रकाशन, छात्र विनिमय, संयुक्त पेटेंट–को सार्वजनिक किया जाए। रैंकिंग पूरी तरह निरर्थक नहीं है। वह एक दिशा–सूचक यंत्र की तरह हो सकती है, जो संस्थानों को अपनी कमजोरियों का आकलन करने में मदद करे। परंतु जब वही दिशा–सूचक लक्ष्य बन जाए, तो मार्ग भटक जाता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि विचारशील और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है। भारतीय उच्च शिक्षा को आज आत्ममंथन की आवश्यकता है। हमें यह तय करना होगा कि हम विश्वविद्यालयों को "डिग्री फैक्ट्री" बनाना चाहते हैं या ज्ञान के ऐसे केंद्र, जहां से समाज को नई दृष्टि और नई दिशा मिले। यदि हम केवल रैंक और नंबरों के पीछे भागते रहेंगे, तो संभव है कि हम सूची में ऊपर आ जाएं, परंतु ज्ञान की गहराई और सामाजिक प्रतिबद्धता में पीछे रह जाएं। जब मूल्यांकन का केंद्र समाज पर प्रभाव, शिक्षण की गुणवत्ता और अनुसंधान की प्रासंगिकता बनेगा, तभी यह अंधी दौड़ धीमी होगी। शिक्षा को आंकड़ों के पिंजरे से मुक्त कर उसकी आत्मा को पुनर्जीवित करना समय की मांग है। तभी भारतीय विश्वविद्यालय वैश्विक मंच पर केवल रैंकिंग सूची में नहीं, बल्कि विचार और नवाचार की कसौटी पर भी अग्रणी बन सकेंगे।

विचार विण्डो

आंगनबाड़ी की नौकरी या बोली का बाजार ?

मथुरा जैसे सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान वाले जनपद में यदि महिला बाल विकास जैसे संवेदनशील विभाग में रिश्वतखोरी की खबर सामने आती है, तो यह केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है। हाल ही में खालवा में पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एक सुपरवाइजर के पकड़े जाने की घटना भले दूसरे जिले की हो, पर उसका संदेश मथुरा के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है। प्रश्न यह है कि क्या हमारे यहां की व्यवस्थाएं इतनी पारदर्शी और मजबूत हैं कि ऐसी प्रवृत्तियां पनप ही न सकें?

मथुरा में महिला बाल विकास विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से हजारों बच्चों को पोषण आहार, टीकाकरण सहयोग और प्रारंभिक शिक्षा मिलती है। गर्भवती और धात्री महिलाओं के लिए योजनाएं चलती हैं। यह केवल एक सरकारी विभाग नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ी की नींव है। यदि इसी व्यवस्था में नियुक्ति या प्रमोशन के लिए "रेट कार्ड" जैसी सोच जन्म ले, तो इसका असर सीधे समाज के सबसे कमजोर वर्ग पर पड़ता है।

आंगनवाड़ी सहायिका और कार्यकर्ता के पद मथुरा के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण साधन हैं। गोवर्धन, फरह, मांट, नौहझील और छाता जैसे ब्लॉकों में हजारों महिलाएं इन पदों के लिए आवेदन करती हैं। यदि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता के बजाय लेन–देन हावी हो जाए, तो योग्य और जरूरतमंद महिलाएं अवसर से वंचित हो सकती हैं। इससे न केवल व्यक्तिगत नुकसान होता है, बल्कि सेवा की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।

यह भी समझना होगा कि जिसने पद पाने के लिए पैसा खर्च किया हो, उसके मन में सेवा की भावना से पहले "लागत वसूलने" की मानसिकता जन्म ले सकती है। इसका असर पोषण वितरण, उपस्थिति रजिस्टर, लाभार्थियों के चयन और योजनाओं के क्रियान्वयन पर पड़ सकता है। मथुरा जैसे जिले में, जहां कुपोषण और मातृ–शिशु स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे अभी भी चुनौती बने हुए हैं, ऐसी प्रवृत्ति घातक सिद्ध हो सकती है।

मथुरा में समय–समय पर विभिन्न विभागों में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। हालांकि सभी मामलों में दोष सिद्ध नहीं होता, पर शिकायतों की संख्या यह संकेत देती है कि निगरानी तंत्र को और सशक्त बनाने की आवश्यकता है। महिला बाल विकास विभाग

में नियुक्ति और पदोन्नति की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन, मेरिट आधारित और सार्वजनिक करना समय की मांग है। चयन सूची, अंक और आपत्तियों की सुनवाई की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए।

लोकायुक्त या एंटी करप्शन की कार्रवाई तब संभव होती है जब कोई शिकायतकर्ता साहस जुटाए। मथुरा में भी यदि किसी कर्मचारी या अधिकारी द्वारा अवैध मांग की जाती है, तो पीड़ित को सुरक्षित शिकायत तंत्र मिलना चाहिए। शिकायतकर्ता की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जब तक लोग यह विश्वास नहीं करेंगे कि शिकायत करने पर उन्हें प्रताड़ना नहीं झेलनी पड़ेगी, तब तक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई अधूरी रहेगी।

मथुरा की सामाजिक संरचना सामुदायिक सहभागिता पर आधारित है। यहां स्वयंसेवी संस्थाएं, महिला समूह और पंचायतें सक्रिय हैं। यदि आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन और नियुक्तियों में सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) की व्यवस्था लागू की जाए, तो जवाबदेही बढ़ सकती है। ग्राम स्तर पर लाभार्थियों की सूची, पोषण सामग्री का विवरण और उपस्थिति सार्वजनिक दीवारों या पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाए, तो पारदर्शिता स्वतः बढ़ेगी।

एक और महत्वपूर्ण पहलू नैतिक प्रशिक्षण का है। सरकारी कर्मचारियों के लिए समय–समय पर नैतिकता, सेवा भावना और कानून संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किए जाने चाहिए। केवल नियमों का ज्ञान पर्याप्त नहीं, बल्कि यह समझ भी आवश्यक है कि उनका कार्य सीधे समाज के कमजोर वर्ग से जुड़ा है। मथुरा जैसे धार्मिक आस्था वाले जिले में सेवा और नैतिकता का संदेश केवल प्रवचन तक सीमित न रहकर प्रशासनिक व्यवहार में भी झलकना चाहिए।

यह भी सच है कि भ्रष्टाचार केवल दंड से नहीं रुकता, बल्कि व्यवस्था में सुधार से नियंत्रित होता है। नियुक्ति प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप–जैसे ऑनलाइन आवेदन, स्वचालित मेरिट लिस्ट, वीडियो रिकॉर्डेड इंटरव्यू और डिजिटल दस्तावेज सत्यापन–भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम कर सकते हैं। साथ ही, नियमित ऑडिट और आकस्मिक निरीक्षण आवश्यक हैं। मथुरा में महिला सशक्तिकरण की कई योजनाएं चल रही हैं। यदि आंगनवाड़ी जैसे आधारभूत पदों पर भी पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित हो, तो इन योजनाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ सकता है। पर यदि यहां भी लेन–देन की संस्कृति पनपे, तो समाज का भरोसा कमजोर होगा।

अंततः, खालवा की घटना मथुरा के लिए एक चेतावनी की तरह है। यह अवसर है कि हम अपनी व्यवस्थाओं की समीक्षा करें। क्या हमारी प्रक्रियाएं इतनी मजबूत हैं कि किसी भी स्तर पर रिश्वत की गुंजाइश न बचे? क्या शिकायतकर्ता को पर्याप्त सुरक्षा मिलती है? क्या नियुक्ति और प्रमोशन पूरी तरह पारदर्शी हैं? यदि इन सवालों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं, तो सुधार की दिशा में तत्काल कदम उठाने होंगे। महिला बाल विकास विभाग केवल एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ी का संरक्षक है। मथुरा में इसकी विश्वसनीयता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। तभी हम यह कह सकेंगे कि सेवा का यह तंत्र सचमुच सेवा के लिए है, सौदे के लिए नहीं।

सेमीफाइनल का संग्राम

भारत के सामने करो या मरो, पाकिस्तान की सांसें इंग्लैंड पर अटकीं

एक जीत से भारत पार पाकिस्तान के लिए गणित ही सहारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर–8 चरण में सेमीफाइनल की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। ग्रुप–1 से दक्षिण अफ्रीका और ग्रुप–2 से इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंच चुके हैं। अब निगाहें भारत बनाम वेस्टइंडीज और इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड मुकाबले पर टिकी हैं, जहां से बाकी दो टिकट तय होंगे। भारत ने जिम्बाब्वे पर जीत से उम्मीदें जिंदा रखी हैं, लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उसे वेस्टइंडीज को हराना ही होगा। यह मुकाबला सीधे–सीधे नॉकआउट जैसा है–जो जीतेगा वही आगे बढ़ेगा। इस ग्रुप में अब नेट रन रेट मायने नहीं रखता। भारत को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में संतुलित प्रदर्शन करना होगा।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को हराकर अपनी स्थिति मजबूत की है और उसका नेट रन रेट काफी बेहतर है। अब अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड को हरा देता है तो वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा और पाकिस्तान बाहर हो जाएगा। पाकिस्तान के पास फिलहाल एक अंक है। उसे श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करनी ही होगी, लेकिन केवल जीत काफी नहीं–बड़ी जीत जरूरी है। शर्त यह है कि इंग्लैंड, न्यूजीलैंड को हराए। ऐसे में पाकिस्तान को नेट रन रेट में न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी या लक्ष्य का तेज पीछा करना होगा। मामूली अंतर से जीत उसे बाहर कर सकती है।

यदि भारत जीतता है और न्यूजीलैंड भी इंग्लैंड को हरा देता है तो भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल संभव है। वहीं अगर इंग्लैंड जीतता है तो भारत का सामना इंग्लैंड से हो सकता है। पाकिस्तान के क्वालिफाई करने या न करने पर दूसरा सेमीफाइनल बदलेगा। टूर्नामेंट अब रोमांचक मोड़ पर है–भारत के लिए सीधा रास्ता है, जबकि पाकिस्तान को चमत्कार और गणित दोनों की जरूरत है।

द ब्लफ रिव्यू: प्रियंका चोपड़ा की दमदार मौजूदगी, कहानी रह गई सतही

यूनिक समय, नई दिल्ली। द ब्लफ रिव्यू: 19वीं सदी के कैरेबियन पृष्ठभूमि पर बनी एक्शन–एडवेंचर फिल्म है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा एक पूर्व समुद्री डाकू से मां बनी महिला का किरदार निभा रही हैं। फिल्म बदले की कहानी बुनती है, जहां नायिका अपने अतीत के खतरों से जूझती नजर आती है। निर्देशक फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने माहौल और विजुअल्स पर खास ध्यान दिया है, लेकिन कमजोर लेखन के कारण कहानी गहराई तक असर नहीं छोड़ पाती। कई जगह फिल्म की रफ्तार धीमी महसूस होती है।

प्रियंका चोपड़ा का अभिनय फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। वह संयमित और प्रभावशाली दिखती हैं। खलनायक की भूमिका में कार्ल अर्बन भी दमदार हैं, हालांकि पटकथा उन्हें पूरी तरह उभरने का मौका नहीं देती। कुल मिलाकर, यह एक ठीक–ठाक एंटरटेनिंग फिल्म है, जिसे प्रियंका की परफॉर्मेंस के लिए एक बार देखा जा सकता है।

वादिना इला उनारू का राज खुला

देवर के पोस्ट ने भाभी रश्मिका पर बरसाया प्यार

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के चर्चित कपल विजय देवरकोंडा और रश्मिका मनदाना ने हाल ही में शादी कर अपने रिश्ते को नया नाम दिया। शादी के बाद रश्मिका का देवरकोंडा परिवार में खास अंदाज में स्वागत हुआ। इस मौके पर विजय के भाई आनंद देवरकोंडा ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वेलकम पोस्ट साझा किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है।

आनंद ने अपने पोस्ट में लिखा कि कई बार फैंस उनसे पूछा करते थे, "वादिना इला उनारू?" और वह समझ नहीं पाते थे कि कैसे प्रतिक्रिया दें। अब जब उनके भाई की शादी हो चुकी है, तो उन्हें अपनी "वादिना" (भाभी) के रूप में बेहद पॉजिटिव और दयालु इंसान मिली हैं। उन्होंने रश्मिका के लिए खुशहाल और मुस्कुराती जिंदगी की कामना भी की। दरअसल, तेलुगु वाक्य "वादिना इला उनारू?" का हिंदी में अर्थ है–"भाभी कैसी हैं?" शादी से पहले फैंस मजाकिया अंदाज में यह सवाल पूछा करते थे, लेकिन अब आनंद के पास इसका सच्चा और गर्व भरा जवाब है। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस देवर–भाभी के इस प्यारे रिश्ते की जमकर तारीफ कर रहे हैं। रश्मिका को परिवार में मिले इस स्नेह ने उनके प्रशंसकों का दिल जीत लिया है।

72वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप

यूपी का उलटफेर, महाराष्ट्र और तमिलनाडु भी क्वार्टर फाइनल में

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में तीसरे दिन रोमांच और बड़े उलटफेर देखने को मिले। 16 टीमों के बीच खेले गए नॉकआउट मुकाबलों के बाद क्वार्टर फाइनल की तस्वीर साफ हो गई। उत्तर प्रदेश ने गत चैंपियन सेना को 55–51 से हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर किया। यह मुकाबला बेहद कांटे का रहा, लेकिन निर्णायक पलों में यूपी के खिलाड़ियों ने संयम दिखाया।

महाराष्ट्र ने हिमाचल प्रदेश को 53-38 से हराकर दमदार प्रदर्शन किया। वहीं तमिलनाडु ने हरियाणा जैसी मजबूत टीम को टाई-ब्रेकर में हराकर सबको चौंका दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों का स्कोर 35-35 से बराबर रहा, लेकिन अतिरिक्त समय में तमिलनाडु ने बढ़त बना ली।

चंडीगढ़ ने मध्य प्रदेश को 45–26 से हराया, जबकि बिहार ने मेजबान गुजरात को 38–34 से मात दी। भारतीय रेलवे ने कर्नाटक को 57–38 से हराकर अपनी दावेदारी मजबूत की। हिमाचल प्रदेश ने राजस्थान को 56–53 से हराया। उत्तर प्रदेश ने जम्मू–कश्मीर के खिलाफ 65–24 की एकतरफा जीत से अपनी लय बरकरार रखी। अब क्वार्टर फाइनल में मुकाबले और कड़े होने वाले हैं, जहां देश की शीर्ष टीमें खिताब के लिए पूरी ताकत झोंकेंगी।

कर्नाटक 293 पर ढेर, जम्मू–कश्मीर की 291 रन की मजबूत बढ़त

रणजी ट्रॉफी फाइनल

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी के फाइनल में कर्नाटक और जम्मू–कश्मीर के बीच हुबली के केएससीए क्रिकेट ग्राउंड पर मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। चौथे दिन कर्नाटक की पहली पारी 293 रन पर सिमट गई, जिससे जम्मू–कश्मीर को 291 रन की बड़ी बढ़त मिल गई।

तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक कर्नाटक ने पांच विकेट पर 220 रन बना लिए थे और टीम मजबूत स्थिति में दिख रही थी। मयंक अग्रवाल शानदार लय में थे और 130 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। चौथे दिन उन्होंने अपने शतक को 160 रन तक पहुंचाया, लेकिन उनके आउट होते ही पारी बिखर गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके और पूरी टीम 293 रन पर ऑलआउट हो गई। जम्मू–कश्मीर की ओर से आकिब नबी ने घातक गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके। उनकी सटीक लाइन–लेंथ और उछाल ने कर्नाटक के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

अब मुकाबला पूरी तरह जम्मू–कश्मीर की पकड़ में नजर आ रहा है। 291 रन की बढ़त के साथ टीम के पास फाइनल पर शिकंजा कसने का सुनहरा मौका है, जबकि कर्नाटक को वापसी के लिए गेंदबाजी में असाधारण प्रदर्शन करना होगा।

रमजान में मक्का से गौहर खान का खास तोहफा

पहली बार दिखाया छोटे बेटे का चेहरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। रमजान के पाक महीने में गौहर खान ने फैंस को खास सरप्राइज दिया है। वह अपने पति जैद दरबार और दोनों बेटों के साथ मक्का में उमराह के लिए पहुंची हैं। इसी रूहानी माहौल के बीच उन्होंने पहली बार अपने छोटे बेटे फरवान का चेहरा दुनिया को दिखाया। काबा के सामने खिंचवाई गई तस्वीरों के साथ गौहर ने भावुक संदेश भी साझा किया।

उन्होंने लिखा कि जैसे बड़े बेटे जेहान का पहला सलाम काबा से हुआ था, वैसे ही छोटे बेटे का भी यह हक बनता है। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने फरवान की ओर से सभी को "अस–सलाम–अलैकुम" कहा और दुआओं की दरख्वास्त की। तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्यार की बौछार हो गई। कई सितारों और फैंस ने कमेंट कर बच्चे को दुआएं दीं। फरवान की मासूमियत और बड़ी–बड़ी आंखों ने सबका दिल जीत लिया। प्रशंसक उसे बड़े भाई जेहान से मिलाते हुए परिवार को परफेक्ट बता रहे हैं। गौरतलब है कि फरवान का जन्म 1 सितंबर 2025 को हुआ था। 'फरवान' नाम का अरबी में अर्थ 'शानदार' या 'गौरवशाली' होता है। शुरुआती महीनों तक बेटे की प्राइवेसी बनाए रखने के बाद, रमजान में चेहरा रिवील करना फैंस के लिए खास तोहफा बन गया है।

महाभारत का अभिमन्यु

कभी था सबसे महंगा चाइल्ड आर्टिस्ट आज विदेश में सफल कारोबारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। 90 के दशक का चर्चित टीवी शो महाभारत आज भी दर्शकों की यादों में बसा है। इस शो में 'अभिमन्यु' का किरदार निभाने वाले मयूर राज वर्मा को लोग आज भी नहीं भूले हैं। 70–80 के दशक में वह 'छोटा अमिताभ' के नाम से मशहूर थे, क्योंकि उनकी शक्ल–सूरत और अभिनय शैली काफी हद तक अमिताभ बच्चन से मिलती थी।

मयूर के करियर का सबसे बड़ा मोड़ फिल्म मुकद्दर का सिकंदर से आया। इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन के बचपन का किरदार निभाया और रातों–रात स्टार बन गए। इसके बाद 'लावारिस' जैसी कई फिल्मों में भी उन्होंने बिग बी के बचपन की भूमिका अदा की। उस दौर में वह इंडस्ट्री के सबसे महंगे बाल कलाकार माने जाते थे। फिल्मों के बाद उन्होंने बी.आर. चोपड़ा के धारावाहिक महाभारत में 'अभिमन्यु' बनकर दर्शकों का दिल जीता। चक्रव्यूह वाले दृश्य में उनके अभिनय की खूब सराहना हुई।

हालांकि आगे चलकर उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स नहीं मिले और उन्होंने अभिनय से दूरी बना ली। आज मयूर वेल्स (यूके) में बस चुके हैं और 'इंडियाना' नाम का रेस्टोरेंट चलाते हैं। सफल बिजनेसमैन के रूप में वे खुशहाल जीवन जी रहे हैं, लेकिन कला से उनका जुड़ाव आज भी बरकरार है।

डेजी शाह का बड़ा फैसला एग फ्रीजिंग से सुरक्षित किया मातृत्व का सपना

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'जय हो' और 'रेस 3' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली डेजी शाह ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर खुलकर बात की है। 41 वर्षीय अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने भविष्य के विकल्प खुले रखने के लिए अपने एग्स फ्रीज करवा लिए हैं। उनका मानना है कि मां बनने के लिए शादी जरूरी नहीं होती।

एक बातचीत में डेजी ने कहा कि वह रिश्ते में प्यार और आर्थिक स्थिरता दोनों चाहती हैं। उन्होंने माना कि आजकल रिश्तों से जुड़ी नकारात्मक खबरें शादी को लेकर डर पैदा करती हैं, इसलिए उन्होंने यह फैसला सोच–समझकर लिया। डेजी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह फिलहाल मां बनने की योजना नहीं बना रहीं, लेकिन सही समय आने पर यह विकल्प उनके पास रहेगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार वेब सीरीज 'रेड रूम' में नजर आई थीं और जल्द ही नई फिल्म में दिखाई देंगी।

मेंहदावल में दर्दनाक हादसा

दीवार से टकराई कार, तीन लोगों की मौत, तीन गंभीर

यूनिक समय, संतकबीरनगर। संतकबीर नगर जिले के मेंहदावल क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा अछिया गांव के पास रात करीब एक बजे उस समय हुआ, जब एक बेकाबू कार सड़क किनारे बनी दीवार से जा टकराई।

जानकारी के अनुसार, सिंगरहट गांव से एक बरात दुधारा क्षेत्र के मटियरा गांव गई थी। समारोह से लौटते समय कार सवार छह लोग मेंहदावल की ओर आ रहे थे। अछिया गांव के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार में दीवार से भिड़ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों में चीख–पुकार मच गई। हादसे में सरवन निवासी तिवारीपुर, दुर्गेश गुप्ता निवासी पिड़री कला और सर्वेश पांडेय निवासी बढ़या ठाठर, मेंहदावल की मौत हो गई। तीन अन्य घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और चालक का वाहन पर नियंत्रण खोना हादसे की वजह माना जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

होली से पहले वेतन भुगतान सुनिश्चित हो: योगी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि होली से पहले प्रत्येक कर्मचारी का वेतन हर हाल में जारी किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आउटसोर्सिंग, संविदा और सफाईकर्मियों सहित सभी श्रेणी के कर्मियों को समय से भुगतान सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुसार 28 फरवरी (शनिवार) को कार्यदिवस घोषित किया गया है, जबकि 2, 3 और 4 मार्च को होली का अवकाश रहेगा। सरकार का मानना है कि त्योहार के अवसर पर कर्मचारियों को आर्थिक असुविधा न हो, इसके लिए वेतन समय पर मिलना आवश्यक है।

इसके साथ ही राज्य सरकार ने चल–अचल संपत्ति का विवरण न देने वाले कर्मचारियों को अंतिम अवसर भी प्रदान किया है। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार जिन कर्मचारियों ने 31 जनवरी 2026 तक अपनी संपत्तियों का ब्योरा अपलोड नहीं किया था, उन्हें 26 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक

3 मार्च को भी अवकाश

विवरण प्रस्तुत करने का मौका दिया गया है।

बताया गया है कि 31 जनवरी तक 47,816 कर्मचारियों ने संपत्ति विवरण जमा नहीं किया। ऐसे कर्मचारियों को जनवरी का वेतन रोक दिया गया था। अब 10 मार्च तक विवरण देने पर वेतन जारी किया जाएगा, लेकिन उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयसीमा का पालन न करने वाले कर्मियों को वर्तमान चयन वर्ष में पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही एसीपी लाभ, विदेश यात्रा, प्रतिनियुक्ति और विजिलेंस क्लीयरेंस जैसी सुविधाओं पर भी रोक रहेगी।

ग्रीनपार्क स्टेडियम का बदलेगा स्वरूप

350 करोड़ से पुनर्विकास, उत्तर–दक्षिण दिशा में बनेंगी नई पिचें

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर का ऐतिहासिक ग्रीनपार्क स्टेडियम अब बड़े बदलाव की दहलीज पर है। वर्ष 1952 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी कर रहा यह मैदान जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। 77 वर्षों से पूर्व-पश्चिम दिशा में बनी पिचों को अब हटाकर उत्तर-दक्षिण दिशा में तैयार किया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को सूरज की सीधी रोशनी से होने वाली परेशानी से राहत मिल सके और खेल अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो।

स्टेडियम के पुनर्विकास के लिए 350 करोड़ रुपये का विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया गया है। पहले चरण के लिए 45 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। इस चरण में मैदान और पिचों का निर्माण प्राथमिकता पर रहेगा। कुल नौ नई पिचें बनाई जाएंगी, जिनमें एक लाल मिट्टी की पिच भी शामिल होगी। अप्रैल तक टेंडर प्रक्रिया पूरी होने और मई से कार्य शुरू होने की संभावना है।

नई योजना के तहत आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम भी लगाया जाएगा। अभी हल्की बारिश में भी मैच बाधित हो जाते हैं, लेकिन नई प्रणाली लागू होने के बाद बारिश रुकने के 15 मिनट के भीतर खेल दोबारा शुरू कराया जा सकेगा। फ्लड लाइट व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे कम रोशनी की समस्या दूर होगी।

पिचों के नए अलाइनमेंट के बाद पवेलियन और मीडिया गैलरी की स्थिति में भी बदलाव संभव है, ताकि खिलाड़ियों और दर्शकों को बेहतर अनुभव मिल सके। अधिकारियों का कहना है कि पुनर्विकास के बाद ग्रीनपार्क में बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन की संभावनाएं और मजबूत होंगी।

प्रेमिका ने प्रेमी को पेट्रोल डालकर जलाया, 80 प्रतिशत झुलसा

दो साल से चल रहा था संबंध

यूनिक समय, आगरा। आगरा के शाहगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई। स्वरूप कॉलोनी निवासी चांद (35) को उसकी कथित प्रेमिका और उसके परिजनों ने रास्ते में रोककर पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। गंभीर रूप से झुलसे चांद का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक उसका करीब 80 प्रतिशत शरीर जल चुका है और हालत नाजुक बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि चांद ऑटो चलाकर घर लौट रहा था। आजमपाड़ा रोड पर कुछ लोगों ने सवारी बनकर ऑटो रुकवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले कहासुनी हुई और फिर चांद को जबरन ऑटो से खींच लिया गया। आरोप है कि इसके बाद उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। लपटों में घिरा चांद बचाओ–बचाओ चिल्लाता हुआ दौड़ा तो आसपास के लोगों ने चादर डालकर आग बुझाई और एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया।

परिजनों का कहना है कि चांद का शबनम नाम की महिला से करीब दो साल से प्रेम संबंध था। महिला शादी का दबाव बना रही थी, लेकिन चांद तैयार नहीं था। इसी विवाद के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और बयान दर्ज किए। एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश में टीमें लगाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आगरा में ट्रैफिक सिपाही से मारपीट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, आगरा। आगरा के रकाबगंज थाना क्षेत्र स्थित करिअप्पा चौराहा पर ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक सिपाही से मारपीट करने वाले दो स्कूटी सवार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपी थाने में कान पकड़कर माफी मांगते नजर आए। पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

घटना दो दिन पहले की है। ट्रैफिक सिपाही निखिल कसाना करिअप्पा रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने नियम उल्लंघन कर रहे स्कूटी सवार युवकों को रुकने का इशारा किया। आरोप है कि इस बात पर दोनों युवक भड़क गए। पीछे बैठे युवक ने सिपाही से अभद्रता की और उसे मुक्का मार दिया। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए।

थाने में मांगी माफी

सिपाही ने साहस दिखाते हुए बाइक से उनका पीछा किया और फतेहाबाद रोड पर उन्हें पकड़ लिया। हालांकि वहां मौजूद भीड़ का फायदा उठाकर आरोपी स्कूटी छोड़कर भाग निकले। घटना के बाद सिपाही की तहरीर पर रकाबगंज थाना में अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। थाने में पूछताछ के दौरान दोनों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में ऐसी हरकत न करने की बात कही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अवनीश कुमार अवस्थी का कार्यकाल बढ़ा

फरवरी 2027 तक रहेंगे योगी आदित्यनाथ के मुख्य सलाहकार

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुख्य सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। अब वे 28 फरवरी 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। शासन की ओर से जारी आदेश के बाद प्रशासनिक हलकों में इसे महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

अवनीश कुमार अवस्थी को मुख्यमंत्री का सबसे भरोसेमंद और करीबी अधिकारी माना जाता है। वे उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रहे हैं और योगी सरकार के पहले कार्यकाल में अपर मुख्य सचिव (गृह एवं सूचना) जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें मुख्यमंत्री का प्रशासनिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। सरकारी सूत्रों के अनुसार, राज्य में कानून–व्यवस्था, निवेश, औद्योगिक विकास और बड़े आयोजनों के सफल संचालन में उनकी भूमिका अहम रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने में भी उन्होंने प्रभावी योगदान दिया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी वर्षों में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं–जैसे निवेश आकर्षित करना, बुनियादी ढांचे का विस्तार और प्रशासनिक सुधार–को देखते हुए अनुभवी अधिकारियों की जरूरत बनी रहेगी। ऐसे में उनके कार्यकाल विस्तार को स्थिरता और निरंतरता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

वर्तमान में प्रदेश सरकार कई बड़े प्रोजेक्ट्स और अंतरराष्ट्रीय निवेश पहलों पर काम कर रही है। इस परिप्रेक्ष्य में मुख्य सलाहकार के रूप में अवस्थी की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कार्यकाल विस्तार के साथ यह स्पष्ट हो गया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय में उनकी जिम्मेदारियां आगामी एक वर्ष तक यथावत रहेंगी।

सार संक्षेप

पुंछ में एलओसी पर संदिग्ध ड्रोन दिखे, सेना की फायरिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध ड्रोन गतिविधि देखी गई। गुलपुर बेल्ट क्षेत्र में ड्रोन मूवमेंट का पता चलते ही सेना ने कई राउंड फायरिंग की, जिसके बाद ड्रोन वापस लौट गया। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन जारी है। इससे पहले मेंढर इलाके में सेना और पुलिस ने संयुक्त अभियान में आईईडी हथगोले और पिस्तौल सहित हथियार बरामद किए।

'द केरल स्टोरी 2' पर रोक के बाद प्रियंका गांधी की प्रतिक्रिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म द केरल स्टोरी 2 की रिलीज पर केरल हाईकोर्टद्वारा 15 दिनों की रोक के बाद प्रियंका गांधी ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी जरूरी है, लेकिन ऐसी रचनाएं बननी चाहिए जो समाज में शांति, प्रेम और सौहार्द बढ़ाएं। वायनाड में उन्होंने कहा कि केरल की विविधता और एकता देश के लिए उदाहरण है, और सकारात्मक कहानियों को सामने लाना चाहिए।

एक्सप्रेसवे की एलिवेटेड रोड पर आपत्तिजनक लिखावट, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की एलिवेटेड रोड पर "यह रोड मुसलमानों के लिए नहीं है" लिखे जाने का वीडियो वायरल हुआ है। बताया जा रहा है कि इसमें कथित रूप से हिन्दू रक्षा दल से जुड़े कुछ लोग इसमें शामिल थे। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देहरादून में एसटीएफ की कार्रवाई, सुनील राठी गैंग के दो गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। एसटीएफ ने देहरादून में कार्रवाई कर कुख्यात अपराधी सुनील राठी गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। सहसत्रधारा रोड पर घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपियों से दो अवैध पिस्टल, सात जिंदा कारतूस और एक स्कॉर्पियो बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी जेल में बंद राठी के संपर्क में थे और जमीन विवाद में उसका नाम लेकर वसूली करते थे।

ईरान के अस्पतालों में इलाज में दखल के आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान ईरान के कई अस्पतालों पर सुरक्षाकर्मियों के दखल के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सादे कपड़ों में एजेंटों ने घायल प्रदर्शनकारियों के इलाज में बाधा डाली और कुछ को अस्पताल से हिरासत में लिया।

उत्तरी शहर रश्त के एक डॉक्टर ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने डॉक्टरों को मरीजों तक पहुंचने से रोका, जिससे कई गंभीर घायलों की हालत बिगड़ गई।

शराब घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी को बड़ी राहत

कोर्ट से बरी हुए अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। कथित दिल्ली शराब घोटाले मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीश सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट के फैसले के बाद दोनों नेता भावुक हो गए और मीडिया से बातचीत के दौरान उनकी आंखों में आंसू छलक पड़े। फैसला सुनते ही कोर्ट रूम में केजरीवाल और सिसोदिया ने अपने वकील को गले लगाया। बाहर निकलकर केजरीवाल ने कहा, "सत्य की जीत हुई है। हमें भारतीय न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा था। भगवान हमारे साथ हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को खत्म करने के लिए बड़े नेताओं को जेल में डाला गया। केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति में झूठे मुकदमों की जगह जनता के लिए काम होना चाहिए। उन्होंने कहा, "देश की बड़ी समस्याओं का समाधान कीजिए, झूठे केस मत कीजिए। इससे देश आगे नहीं बढ़ेगा।" इस मामले में कोर्ट ने जांच एजेंसी सीबीआई को भी फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि आबकारी नीति में किसी व्यापक साजिश या आपराधिक इरादे के पर्याप्त सबूत नहीं मिले।

जज ने 'साउथ ग्रुप' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई और कहा कि इस तरह की शब्दावली उचित नहीं थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि पेश किए गए कुछ दस्तावेज चार्जशीट से मेल नहीं खाते।

वहीं, केजरीवाल की पत्नी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सच की हमेशा जीत होती है और कोई भी ताकतवर व्यक्ति सत्य से ऊपर नहीं हो सकता। कोर्ट के इस फैसले के बाद आम आदमी पार्टी ने इसे न्याय की जीत बताया है।

कैथल में डीएसपी हेड कांस्टेबल विवाद

इंस्पेक्टर समेत नौ पुलिस कर्मी लाइन हाजिर

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के कैथल जिले में डीएसपी और हेड कांस्टेबल के बीच विवाद ने तूल पकड़ लिया है। सोशल मीडिया पर आरोप सामने आने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक इंस्पेक्टर सहित नौ पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया। इस कदम से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। कार्रवाई की जद में आए अधिकारियों में इंस्पेक्टर साहिल, एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, हेड कांस्टेबल सुनील संधू, सिपाही रेखा और सोनिया, साथ ही एसपीओ जसविंदर, राजपाल और प्रदीप शामिल हैं। हेड कांस्टेबल सुनील संधू ने आरोप लगाया था कि कलायत के डीएसपी ललित यादव ने उन्हें झूठे नशा मामले में फंसाने की धमकी दी। संधू, जो राज्य सरकार के नशा मुक्ति अभियान से जुड़े रहे हैं, ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि एंटी–ड्रग कैंपेन चलाने के बावजूद उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और दबाव बनाया गया। मामला सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। इसी बीच जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एएसबी) ने भी बड़ी कार्रवाई की। असिस्टेंट रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटी ऋषि महाजन और इंस्पेक्टर जसबीर को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि नौकरी दिलाने के नाम पर एक लाख रुपये की मांग की गई थी। दोनों मामलों की जांच जारी है।

कोलकाता में 5 .3 तीव्रता का भूकंप, दोपहर 1 :22 बजे कांपी धरती

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में शुक्रवार दोपहर जोरदार भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे शहर और आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.3 मापी गई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया कि इसका केंद्र पश्चिम बंगाल के टाकी से लगभग 26 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित था। भूकंप दोपहर 1:22 बजे भारतीय समयानुसार आया और इसकी गहराई जमीन से लगभग 9.8 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। जारी आंकड़ों के मुताबिक भूकंप का स्थान 22.451 अक्षांश और 89.139 देशांतर पर था। झटके इतने तेज थे कि कई लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। ऊंची इमारतों में कंपन ज्यादा महसूस किया गया।

फरवरी में मार्च जैसी गर्मी

दिल्ली समेत कई राज्यों में तापमान बढ़ने के आसार

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में फरवरी के आखिरी सप्ताह में ही मार्च जैसी गर्मी महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले सात दिनों के दौरान उत्तर–पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। इस वजह से कई क्षेत्रों में पारा सामान्य से 3–5°C अधिक रहने की संभावना है। 'भारत मौसम विज्ञान विभाग'के मुताबिक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और गुजरात में तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। पश्चिमी और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 34 से 37°C के बीच पहुंच चुका है। बीते 24 घंटों में सबसे अधिक 36.6°C तापमान इरोड (तमिलनाडु) और शोलापुर (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान की बात करें तो जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में पारा शून्य से नीचे बना हुआ है, जबकि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 6°C तक तापमान दर्ज हुआ। दिल्ली–एनसीआर में न्यूनतम तापमान 14 से 16°C के बीच रहने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर में हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। वहीं, उप–हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी 27–28 फरवरी को हल्की बारिश के आसार हैं। दिल्ली में आसमान साफ रहेगा, दोपहर में हल्के बादल छा सकते हैं और अधिकतम तापमान 30–32°C के बीच रह सकता है।

नवी मुंबई के खारघर में 28 फरवरी–एक मार्च को 'हिंद दी चादर' समागम

यूनिक समय, नई दिल्ली। नवी मुंबई के खारघर स्थित ओवे मैदान में 28 फरवरी और 1 मार्च को 'हिंद दी चादर' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सिखों के नौवें गुरु तेगबहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हो रहा है। आयोजकों के अनुसार दो दिवसीय समागम में 18 से 20 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

इस कार्यक्रम का आयोजन अल्पसंख्यक विकास विभाग और राज्य स्तरीय समन्वय समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इससे पहले नागपुर और नांदेड़ में भी सफल आयोजन हो चुके हैं। समागम के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल और अन्य प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति प्रस्तावित है। विभिवन्न संप्रदायों के संत, रागी जत्थेदार और हजारों स्वयंसेवक भी शामिल होंगे। आयोजन स्थल पर मुख्य मंडप में 80 हजार से 1 लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। 150 से अधिक विशेष बस सेवाएं, 38 पार्किंग स्थल और तीन हेलिपैड तैयार किए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए 25 हजार लोगों के ठहरने की व्यवस्था, 1000 से अधिक अस्थायी शौचालय और 500 से ज्यादा स्वच्छता कर्मी तैनात रहेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 300 से अधिक डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ, 15 अस्थायी चिकित्सा केंद्र, एक अस्थायी आईसीयू तथा नजदीकी अस्पतालों में 350 बेड आरक्षित रखे गए हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर के बलिदान, धार्मिक स्वतंत्रता और मानवता के संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

20 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद

पाकिस्तान पर तालिबान के ड्रोन हमले का दावा

पीएम दफ्तर के आसपास निशाना साधने की बात

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। तालिबान के रक्षा मंत्रालय के उप–प्रवक्ता ने दावा किया है कि पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले किए गए हैं। इनमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के इस्लामाबाद स्थित फैजाबाद क्षेत्र के दफ्तर के आसपास का इलाका भी शामिल बताया गया है। काबुल से जारी बयान में तालिबान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने कहा कि यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में किए गए हवाई हमलों के जवाब में की गई। उनके अनुसार, इस्लामाबाद के निकट सैन्य कैंप, नौशेरा सेना छावनी, जमरूद सैन्य कॉलोनी और एबटाबाद क्षेत्र को निशाना बनाया गया। तालिबान ने इन हमलों को "सफल ऑपरेशन" बताया है। इससे पहले पाकिस्तानी सेना ने काबुल, कंधार और पक्तिया में हवाई कार्रवाई करने का दावा किया था। पाकिस्तान की ओर से कहा गया कि इस ऑपरेशन में कई तालिबानी कमांडर और लड़ाके मारे गए। जवाब में तालिबान ने भी पाकिस्तानी सैनिकों को नुकसान पहुंचाने और कुछ चौकियों पर कब्जा करने का दावा किया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। दोनों देशों के बीच हालिया घटनाक्रम ने क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय स्थिति पर नजर बनाए हुए है और तनाव कम करने की अपील की जा रही है।

जेएनयू में बवाल के बाद फैकल्टी का विरोध प्रो. क्रिस्टु दास आमरण अनशन पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। जेएनयू में हालिया बवाल के बाद अब फैकल्टी सदस्यों ने खुलकर मोर्चा संभाल लिया है। ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र के प्रोफेसर क्रिस्टु दास ने परिसर के साबरमती टी–प्वाइंट पर आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि यह अनशन तालाबंदी, तोड़फोड़ और छात्रों की पढ़ाई बाधित करने के विरोध में है।

प्रो. दास ने कहा कि वह तीन भूमिकाओं में अनशन कर रहे हैं–एक पूर्व छात्र, एक जिम्मेदार नागरिक और एक संकाय सदस्य के रूप में। उनके अनुसार हाल की घटनाओं में लाइब्रेरी में तोड़फोड़, छात्र संघ पदाधिकारियों का निष्कासन और उसके बाद कक्षाओं में ताले लगाने जैसी घटनाएं शामिल हैं, जिससे शैक्षणिक माहौल प्रभावित हुआ है। उन्होंने छात्र संघ और शिक्षक संघ से खुली बहस की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी को प्रशासन के फैसलों पर आपत्ति है तो न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। हिंसा और जबरन तालाबंदी लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। कुछ अन्य फैकल्टी सदस्य और छात्र भी उनके समर्थन में सामने आए हैं। शोधार्थियों का कहना है कि विश्वविद्यालय में सामान्य शैक्षणिक गतिविधियां बहाल होनी चाहिए और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाना चाहिए। फिलहाल परिसर में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है।

कहा, छात्रों की पढ़ाई बाधित करने के विरोध में है अनशन और तालाबंदी

आईसीयू में भर्ती शिक्षिका से मिलने पहुंचीं बीएसए रतन कीर्ति

यूनिक समय, मथुरा। जनपद की बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) रतन कीर्ति शुक्रवार को गंभीर रूप से बीमार शिक्षिका मधु बाला का हाल जानने अस्पताल पहुंचीं। शिक्षिका का इलाज शहर के एक अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में चल रहा है। बीएसए सीधे आईसीयू के बाहर पहुंचीं और डॉक्टरों से मधु बाला की सेहत के बारे में जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही न हो और उन्हें पूरी और अच्छी चिकित्सा सुविधा दी जाए। इसके बाद उन्होंने शिक्षिका के परिवार वालों से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। बीएसए ने कहा,

आईसीयू में भर्ती शिक्षिका से हालचाल लेती बीएसए रतन कीर्ति।

"शिक्षक हमारे विभाग की सबसे बड़ी ताकत हैं। मधु बाला जी के जल्द ठीक होने की हम सब प्रार्थना करते हैं। विभाग की ओर से जो भी मदद होगी, वह तुरंत की जाएगी।" उन्होंने बताया कि शिक्षिका की वेतन वृद्धि के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं, ताकि परिवार को आर्थिक राहत मिल सके। अस्पताल में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा भी अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। वह सुबह से ही अस्पताल में रहे और तब तक वहीं रुके रहे, जब तक शिक्षिका के बच्चे बाहर से नहीं आ गए। इस दौरान अरहैरा विद्यालय के शिक्षक और शिक्षक संघ के कई पदाधिकारी भी अस्पताल में मौजूद रहे। शाम को शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने बीएसए से मुलाकात कर पूरे मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बीएसए ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया। बीएसए रतन कीर्ति के इस कदम की शिक्षकों ने सराहना की है। उनका कहना है कि अधिकारी का खुद अस्पताल जाकर हालचाल लेना संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का उदाहरण है।

मथुरा गायनेकोलॉजी सोसायटी की डॉ. अंजू गुप्ता अध्यक्ष, डॉ. प्रीति लालवानी सचिव बनी

डॉ. अंजू गुप्ता

डॉ. प्रीति लालवानी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा ऑब्सटेट्रिक एंड गाइनेकोलॉजी सोसायटी के वार्षिक चुनाव स्थानीय होटल में संपन्न हुए। इसमें वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अंजू गुप्ता को अध्यक्ष तथा डॉ. प्रीति लालवानी को सचिव चुना गया। डॉ. हर्षिता सिंघल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवागत पदाधिकारियों का उपस्थित चिकित्सकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में डॉ. अल्पना अग्रवाल, डॉ. नीरजा गोयल, डॉ. दीपशिखा इंजीनियर, डॉ. वर्षा तिवारी, डॉ. वर्तिका किशोर, डॉ. ज्योति अग्रवाल, डॉ. मुक्ता चौहान, डॉ. रेनू अग्रवाल, डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. शुभदा शर्मा, डॉ. चारु जैन, डॉ. मधु अग्रवाल, डॉ. नीता वर्मन, डॉ. प्रेरणा अग्रवाल, डॉ. रीतिल सौरभ प्रजापति व डॉ. अनु गोयल सहित अनेक चिकित्सक मौजूद रहीं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बृजेंद्र कुमार तिवारी व सचिव डॉ. गौरव भारद्वाज सहित अन्य चिकित्सकों ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं।

केआर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को रोजगार और अंगदान के प्रति किया जागरूक

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता व मंचासीन पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण महाविद्यालय की करियर काउंसलिंग सेल द्वारा दो सत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को नेट, गेट, एसएससी, सीजीएल, राज्य एवं केंद्र की लोक सेवा आयोग की भर्ती और आइटी, पेट्रोकेमिकल, गैस लिमिटेड सहित विभिन्न संस्थानों में रोजगार के अवसरों से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रवीण कुमार ने किया। विशिष्ट अतिथि रोटरी क्लब अंगदान अध्यक्ष रोटरियन लाल गोयल, दीपक गोयल, रितिका गुप्ता और वृंदावन रोटरी क्लब अध्यक्ष प्रोफ़ेसर यदुराज सिंह यादव के साथ संपन्न हुआ। अतिथियों का स्वागत प्रो अमर कुमार धारीवाल, डॉ. अमित राणा, डॉ. राजीव वार्ष्णेय, अमित चौरसिया, डॉ. राजेश सारस्वत, डॉ. हिमांशु तिवारी, डॉ. अरुणेश ओझा और प्रो कामना पंड्या ने पटका पहनाकर किया। रोटरियन लाल गोयल व रितिका गुप्ता ने अंगदान का महत्व बताया, जबकि दीपक गोयल और प्रो यदुराज सिंह यादव ने रोटरी क्लब के समाज सेवा प्रयासों की जानकारी दी।

कैलीफोर्निया से आए सुनील गुप्ता ने भी छात्रों को अंगदान के लिए जागरूक किया। द्वितीय सत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को आईटी, मैनेजमेंट, ऑफिस कार्य आदि क्षेत्रों में रोजगार की जानकारी दी गई।

रालोद नेता कुंवर नरेंद्र सिंह ने अंगदान की महत्ता समझाई। संचालन प्रोफेसर संजीव श्रीवास्तव ने किया। साथ ही मां सरस्वती हॉस्पिटल, मसानी द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और रोजगार व सामाजिक जागरूकता दोनों में सीख प्राप्त की।

वृन्दावन में सजेगा संतों का महाकुंभ

स्वामी वामदेव महाराजा का शताब्दी महोत्सव कल से

शताब्दी महोत्सव के बारे में जानकारी देते आयोजक।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। ब्रह्मलीन विरक्त शिरोमणि परमहंस स्वामी वामदेव महाराज के 'शताब्दी आनंद महोत्सव' का आगाज़ 28 फरवरी से होगा। तीन दिवसीय इस आयोजन में देशभर के प्रतिष्ठित जगदगुरु, महामण्डलेश्वर और हिंदू हृदय सम्राटों का महाकुंभ लगेगा। आयोजकों के अनुसार, महोत्सव में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होने की भी संभावना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्मल पीठाधीश्वर श्रीमहन्त स्वामी ज्ञानदेव सिंह महाराज करेंगे। संचालन गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी अनंत देवगिरी महाराज ने बताया कि स्वामी वामदेव महाराज श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के मुख्य सूत्रधार और 'प्राण' थे।

उन्होंने हिंदू समाज को संगठित करने के लिए 'अखिल भारतीय संत समिति' की स्थापना की थी। उनका जीवन गो-रक्षा, राष्ट्रप्रेम और सनातन धर्म की रक्षा के लिए समर्पित रहा। महोत्सव के दौरान केवल आध्यात्मिक चर्चा ही नहीं, बल्कि सेवा प्रकल्प भी चलाए जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं उपकरण वितरण शिविर लगाया जाएगा।

आर्यमान एंटरप्राइजेज ने 100 से अधिक छात्राओं को वितरित किए स्कूल बैग

बैग लेकर प्रफुल्लित मुद्रा में छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। आर्यमान एंटरप्राइजेज ने सामाजिक पहल के तहत रॉयल एनफील्ड कम्युनिटी राइड का आयोजन किया। विशेष पहल के अंतर्गत ग्राम चौमुहाँ, मथुरा स्थित प्राथमिक कन्या विद्यालय में 100 से अधिक छात्राओं को स्कूल बैग वितरित किए। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना और उन्हें आवश्यक शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराना रहा। कंपनी के प्रबंध निदेशक कृष्णा सिंह ने कहा कि शिक्षा ही समाज की सशक्त नींव है और बालिकाओं को शिक्षित करना भविष्य को संवारने के समान है। उन्होंने कहा कि आर्यमान एंटरप्राइजेज आगे भी इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा। कार्यक्रम में एरिया सेल्स मैनेजर नरेश सिंह भंडारी, जनरल मैनेजर राहुल चौधरी, सेल्स मैनेजर नरेश सिंह तथा तुषार शर्मा आदि उपस्थित थे। सभी ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। विद्यालय प्रशासन एवं ग्रामीणों ने आर्यमान एंटरप्राइजेज की इस पहल के प्रति आभार जताया। इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

दुकानों पर सज गई हैं पिचकारियां और विभिन्न तरह के मुखौटे

होली पर डराएगा मुखौटा,लुभाएगी पिचकारी

होली के लिए पिचकारी पसंद करता युवक और बच्चा।

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। अगले सप्ताह रंग पर्व से जुड़ा होली का त्यौहार मनाया जाएगा। बाजारों में भी होली के उत्पाद से जुड़े सामान की बिक्री को दुकानें सजने लगी है। विभिन्न प्रकार के मुखौटे और पिचकारियां सजाई गई है। फिलहाल दुकानदारों को ग्राहकों का इंतजार है। होली के जश्न में मस्ती और मस्तीखोरों का डराने वाला अंदाज अनोखा होता है। बाजार में भूतिया, शैतान और डरावने चेहरों वाले मुखौटों की काफी भरमार है, जिन्हें पहनकर लोग दोस्तों को डराते हैं और होली खेलते हैं। ऐसे लोगों के लिए दुकानदारों ने काफी प्रकार के मुखौटे बिक्री के लिए सजाए हैं। शेर, बिल्ली और चिंपांजी के अलावा अन्य प्रकार के मुखौटे दुकानों पर 50 रुपये की बिक्री में ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। होली को आकर्षक बनाने के लिए दुकानदारों ने विभिन्न प्रकार की बालों वाली बिग भी मंगाई है।

वॉटर टैंक से बरसेंगे रंग

इस बार होली पर बच्चों की मस्ती का भी दुकानदारों ने खास ख्याल रखा है। विभिन्न प्रकार की छोटी-बड़ी पिचकारी बिक्री को सजाई है। रंग से भरी वॉटर टैंक पिचकारी बच्चों को खास पसंद आएगी, जबकि 20 फीट तक पानी की बौछार फेंकने वाली पिचकारी भी बच्चों को लुभाएगी। वॉटर टैंक बाजार में तो 220 रुपये में और दूर तक पानी फेंकने वाली पिचकारी 400 रुपये में बिक्री के लिए उपलब्ध है। कस्बा में पथवारी मंदिर के समीप रंग-गुलाल और पिचकारी बेचने की दुकान पर बैठे नितिन अग्रवाल ने बताया कि इस बार विभिन्न प्रकार की पिचकारी बच्चों के लिए लाई गई है, मुखौटा भी बिक्री को उपलब्ध हैं। प्रतिष्ठित कंपनी का गुलाल इस बार ज्यादा पसंद किया जा रहा है। खुशबूदार गुलाल लगाने से चेहरा भी दमकेगा उन्होंने बताया अभी बिक्री का काम अभी सुस्त है, आगामी दिन से बिक्री तेज होगी।

हर्बल गुलाल की खुशबू से महक उठेगा तन, खिलेंगे कई रंग

119 केंद्रों पर हाईस्कूल गणित व इंटर की परीक्षाएं नकलविहीन संपन्न

प्रशासनिक सतर्कता के बीच सकुशल संपन्न कराई गई परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। जिले में यूपी बोर्ड परीक्षाएं शांतिपूर्ण और नकलविहीन माहौल में संपन्न हुईं। प्रथम पाली में हाईस्कूल की गणित तथा इंटरमीडिएट के व्यवसायिक विषयों की परीक्षा 119 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। हाईस्कूल गणित विषय में कुल 24,864 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसके सापेक्ष 23,098 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए, जबकि 1,766 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं इंटरमीडिएट के व्यवसायिक विषयों में 526 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 508 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 18 अनुपस्थित पाए गए। द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट के फिजिक्स एवं मिलिट्री साइंस विषय की परीक्षा 116 केंद्रों पर आयोजित हुई। इस परीक्षा में कुल 27,860 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 25,560 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 2,300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा भी प्रशासनिक सतर्कता के बीच सकुशल संपन्न कराई गई। किसी भी केंद्र से नकल या अनुचित साधनों के प्रयोग की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053